यश भारत

नये जमाने के साथ..

● वर्ष- 17 अंक 106- ● जबलपुर ● गुरुवार, 18 मई, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 14 ● विक्रम संवत् 2080 शके 1935

जबलपुर में आज का मौसम

आज सुबह का तापमान

32.8 डिसे

दोपहर 12 बजे तक

38 डिसे

मौसम में बदलाव के आसार

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला आज

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2023 में गुरुवार यानी आज रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला जाएगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए आरसीबी इस मैच में जीत बेहद जरूरी हैं।

» न्यूज गैलरी

दमोह में जहरीले पदार्थ के सेवन से पति -पत्नी की मौत

■ दमोह, यशभारत।

जिले के हटा थाना अंतर्गत ग्राम लुहारी में एक पति पत्नी द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।पुलिस ने बताया कि दमोह जिले के हटा थाना अंतर्गत ग्राम लुहारी में हरदयाल सिंह पुत्र अन्नुसिह लोधी उम्र 58 वर्ष और उसकी पत्नी भागवती उम्र 55 वर्ष निवासी इटवा हीरालाल ग्राम लुहारी ने अपने खेत पर जाकर दोनों ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस बात की जानकारी जैसे ही अन्य लोगों को लगी उन्होंने इस बात की जानकारी तत्काल ही पुलिस को दी जिस पर थाना प्रभारी हटा मनीष मिश्रा ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर इस बात की जांच की जा रही है कि आखिर दोनों पति पत्नी ने इस प्रकार का कदम क्यों उठाया।

मणिपुर में तेजी से सुधर रहे हालात

■ नई दिल्ली, ईएमएस।

मणिपुर में हिंसा के बाद अब हालात थोड़े नियंत्रण में लग रहे हैं। हाल ही में सेना की सुरक्षा में राशन और अन्य जरूरी सामान का काफिला राजधानी इंफाल पहुंचाया गया। हिंसा के चलते इंफाल घाटी में राशन की किल्लत हो गई थी। जिसके बाद सेना ने मोर्चा संभाला और सभी जरूरी सामान का एक काफिला इंफाल घाटी पहुंचाया। सेना ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। बता दें कि मणिपुर में मैती समुदाय को जनजातीय आरक्षण देने के विरोध में बीते दिनों मणिपुर में हिंसा शुरू हुई थी। इस दौरान 50 से ज्यादा लोग मारे गए और जगह जगह आगजनी हुई। राज्य से बड़ी संख्या में लोगों का पलायन भी हुआ है। हालात को देखते हुए राज्य में सेना तैनात है। सड़कें अवरुद्ध होने और ट्रांसपोर्टर्स के डर के चलते राज्य में इंफाल घाटी में राशन और अन्य जरूरी सामान की सप्लाई नहीं हो पा रही थी। इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

जल्लीकट्टू पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आज

■ नई दिल्ली, ईएमएस।

सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ गुरुवार को उन याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाएगी, जिसमें सांडों को वश में करने वाले खेल 'जल्लीकट्टू' और बैलगाड़ी दौड़ की अनुमति देने वाले तमिलनाडु तथा महाराष्ट्र के कानूनों को चुनौती दी गई है. 'जल्लीकट्टू' को 'एरुथाझुवुथल' के रूप में भी जाना जाता है. सांडों को वश में करने वाला यह खेल तमिलनाडु में पोंगल फसल उत्सव अवसर पर खेला जाता है। उच्चतम न्यायालय ने इन याचिकाओं पर पिछले साल दिसंबर में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. उस दौरान पांच न्यायाधीशों- न्यायमूर्ति के एम जोसेफ, न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी, न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की संविधान पीठ ने तमिलनाडु की ओर से पेश मुकुल रोहतगी सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं और हस्तक्षेपकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कई अन्य वकीलों की दलीलें सुनीं थीं।

विशुद्ध हेल्थ केयर

माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लैब

Dr.Ankit Seth

MD,DEM,FICM.PGC Diabetology (Boston USA) Consultant Physician - Diabetologist

Phon-0761-4035454

Mo.9753000122

2365, राईट टाउन, मदन महल स्टेशन रोड, पी.एण्ड टी. गेट नं. 4 चौराहा, जबलपुर (म.प्र.)

मोदी कैबिनेट में बड़ा बदलाव

किरेन रिजिजू को हटाया मेघवाल होंगे कानून मंत्री

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

जबलपुर, यशभारत। मोदी कैबिनेट में बड़ा बदलाव हुआ है. किरेन रिजिजू को कानून मंत्री पद से हटा दिया गया है. उनकी जगह अर्जुन राम मेघवाल को कानून मंत्री बनाया गया है. किरेन रिजिजू बतौर केंद्रीय कानून मंत्री लगातार चर्चा में रहे और उन्होंने पिछले दिनों न्यायपालिका और सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। पीएम नरेंद्र मोदी की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंत्रिमंडल में बदलाव को मंजूरी दी है. अब किरेन रिजिजू को कानून मंत्रालय से बदलकर भू विज्ञान मंत्रालय दिया गया. वहीं, रिजिजू की जगह अर्जुन राम मेघवाल को उनके मौजूदा पोर्टफोलियो के अलावा कानून और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है।

विपक्ष ने साधा निशाना

■ उधर, किरेन रिजिजू को कानून मंत्री के पद से हटाने पर विपक्ष ने हमला बोला है.राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा, कपिल सिब्बल ने कहा, किरण रिजिजू कानून नहीं अब भू विज्ञान मंत्री हैं. कानूनों के पीछे के विज्ञान को समझना आसान नहीं है. वे अब विज्ञान के नियमों से जूझने की कोशिश करेंगे. गुड लक मेरे दोस्त।

■ शिवसेना प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट कर कहा, क्या रिजिजू को महाराष्ट्र के फैसले की शर्मिंदगी के कारण या मोदानी-सेबी जांच को लेकर हटाया गया?

■ वहीं, कांग्रेस नेता अलका लांबा ने कहा, पिछले कुछ समय से कानून मंत्री के तौर किरेन रिजिजू द्वारा जजों की नियुक्ति और अदालतों के काम करने के तौर तरीकों को लेकर की जा रही टिप्पणियों और हस्तक्षेप ने मोदी सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी थीं, सरकार ने अपनी छवि बचाने के लिए अपने कानून मंत्री की बलि देकर अच्छा किया।

अर्जुन राम मेघवाल

मेघवाल 2009, 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में बीकानेर से बीजेपी के टिकट पर सांसद चुने गए. उन्हें 2013 में सर्वश्रेष्ठ सांसद के पुरस्कार से नवाजा गया था.अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान, वह लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के मुख्य सचेतक थे. मई 2019 में, मेघवाल संसदीय मामलों और भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम राज्य मंत्री बने थे. अब उन्हें कानून मंत्रालय का भी प्रभार दिया गया है।

न्यायपालिका पर टिप्पणी को लेकर चर्चा में थे रिजिजू

किरेन रिजिजू पिछले कुछ वक्त से लगातार न्यायपालिका पर टिप्पणी को लेकर चर्चा में थे. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे. रिजिजू ने पिछले साल नंवबर में कहा था कि जजों की नियुक्ति का कॉलेजियम सिस्टम संविधान के लिए एलियन है. उन्होंने कहा था कि कॉलेजियम सिस्टम में कई खामियां हैं और लोग इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं. बाद में उन्होंने कहा था कि रिटायर्ड जज और ऐक्टिविस्ट भारत विरोधी गिरोह का हिस्सा हैं. पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने रिजिजू की टिप्पणियों पर नाराजगी भी जताई थी. बेंच ने कहा था कि शायद सरकार जजों की नियुक्ति को इसलिए मंजूरी नहीं दे रही क्योंकि एनजेएसी को मंजूरी नहीं दी गई. रिजिजू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की टिप्पणियों के खिलाफ जनहित याचिका भी दाखिल की गई थी।

2021 में कानून मंत्री बने थे रिजिजू

रिजिजू अरुणाचल पश्चिम लोकसभा सीट से सांसद बीजेपी सांसद हैं. किरन रिजिजू का जन्म 19 नवंबर, 1971 को अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट कामेंग जिले में हुआ था. उनके पास दिल्ली यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री है. उन्होंने 2004 में पहली बार लोकसभा चुनाव (अरुणाचल पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र) लड़ा और जीत हासिल की. लेकिन वह 2009 के लोकसभा चुनाव में हार गए. 2014 के चुनाव में रिजिजू ने फिर से जीत हासिल की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में गृह राज्य मंत्री बनाए गए. इसके बाद वे मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल यानी 2019 में खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाए गए थे. जुलाई 2021 में जब कैबिनेट विस्तार के दौरान उन्हें कानून मंत्री बनाया गया था. उन्होंने रविशंकर प्रसाद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई।

सिद्धारमैया सीएम, डीके डिप्टी सीएम, 20 मई को शपथ ग्रहण

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

करीब चार दिनों में माथापच्ची के बाद कांग्रेस इस निष्कर्ष पर पहुंच गई है कि सिद्धारमैया को एक बार फिर कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी जाएगी। वहीं डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम बनाया जाएगा। आधिकारिक घोषणा आज कर दी जाएगी और इसके साथ ही शपथ ग्रहण की तारीख का एलान भी कर दिया जाएगा। माना जा रहा है कि कर्नाटक में नई सरकार का शपथ ग्रहण 20 मई, शनिवार को होगा। समाचार एजेंसी के मुताबिक, सिद्धारमैया या डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले पर सहमति बन गई है। पहले सिद्धारमैया को मौका मिलेगा।कर्नाटक में 20 मई को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। इसके लिए पार्टी के आला नेताओं के साथ ही गांधी परिवार के सदस्य बेंगलुरू पहुंच सकते हैं।बता दें, मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच रेस थी। बुधवार को खबर आई कि डीके शिवकुमार वरिष्ठ ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले पर तैयार हो गए हैं। हालांकि वो चाहते थे कि पहले उनको मौका मिले। पार्टी आलाकमान को लगता है कि न तो सिद्धारमैया और न ही डीके अकेले शपथ ले सकते हैं। यह एक सामूहिक नेतृत्व है और शीर्ष नेतृत्व वन-मैन शो नहीं चाहता है।

सीएम चयन में देरी पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

इससे पहले कांग्रेस ने कर्नाटक में मुख्यमंत्री का फैसला करने में देरी को लेकर भाजपा द्वारा आलोचना करने पर उस पर निशाना साधा और उदाहरणों का हवाला दिया जब भाजपा ने चुनाव में जीत के कई दिनों बाद उत्तर प्रदेश और असम में मुख्यमंत्री की घोषणा की। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव के नतीजे 11 मार्च को आए। योगी को आठ दिन बाद 19 मार्च को सीएम नियुक्त किया गया। 2021 में असम विधानसभा चुनाव के नतीजे तीन मई को आए। हिमंता बिस्वा सरमा को सात दिन बाद यानी 10 मई को सीएम चुना गया। रमेश ने कहा कि ऐसे और भी कई उदाहरण हैं।सीएम के नाम को लेकर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार ने दिल्ली में पूर्व सांसद राहुल गांधी से भी मुलाकात की थी। राहुल गांधी को च्जननायकज्ज बताते हुए कांग्रेस ने ट्वीट किया कि कर्नाटक में भारी जीत के बाद राहुल गांधी ने डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया से मुलाकात की।

यदि आप को यशभारत न्यूज पेपर नहीं प्राप्त हो रहा है तो संपर्क करें

मो. 9407348995, 7999718732

मुनीर ने लिया प्रण, इमरान के घर पर आज महाप्रहार की तैयारी

सेना ने दिया 2 बजे तक का टाइम

■ इस्लामाबाद, एजेंसी।

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 9 मई को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद पूरे देश में हिंसा देखने को मिली थी। इस हिंसा में शामिल लोगों को सरकार आतंकी बता रही है और इन्हें शरण देने का आरोप इमरान खान पर लगाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंसा से जुड़े 40 आतंकी इमरान खान के जमान पार्क आवास में हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने इन आतंकियों को सौंपने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। इसे देखते हुए इमरान खान को फिर से अपनी गिरफ्तारी का डर सता रहा है। इमरान की गिरफ्तारी पर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कार्यवाहक सूचना मंत्री आमिर मीर ने कहा कि पीटीआई चीफ को गिरफ्तार करने का कोई प्लान नहीं है। मंत्री ने कहा, च्पहले 24 घंटे की समय सीमा खत्म होने दीजिए, फिर सरकार अपनी योजना का खुलासा करेगी।ज यह समय सीमा गुरुवार को दोपहर 2 बजे खत्म होगी। इससे पहले कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इमरान ने एक ट्वीट में आशंका व्यक्त करते हुए कहा था कि, च्मेरी अगली गिरफ्तारी से पहले शायद मेरा आखिरी ट्वीट। पुलिस ने मेरे घर को घेर लिया है। आमिर मीर ने कहा कि हमेशा की तरह इस बार भी इमरान खान लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि इस बात के सबूत हैं कि 9 मई को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने वाले 30-40 आतंकी जमान पार्क में मौजूद हैं। उन्होंने कहा, च्यह संभव है कि खान साहब उन लोगों से जमान पार्क छोड़ने को कहें। जब वे ऐसा करेंगे और बाहर निकलेंगे तब उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।ज इससे पहले इमरान को आतंकियों को सौंपने का 24 घंटे का समय दिया गया था।

मक्सी-उज्जैन मार्ग पर ट्राले और बस में भिड़ंत

एक ही परिवार की दो महिलाओं समेत पांच की मौत

■ शाजापुर, यशभारत।

दरमियानी रात करीब साढ़े 3 बजे शाजापुर में मक्सी-उज्जैन मार्ग पर एक बस और ट्राले में आमने-सामने से हुई जोरदार भिड़ंत में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, एक मां-बेटी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। 15 से ज्यादा घायलों को उज्जैन ले जाया गया है। बस माधवगढ़ (जालौन, उत्तर प्रदेश) से अहमदाबाद जा रही थी। मृतक क्कके रहने वाले थे। शादी में शामिल होने अहमदाबाद जा रहे थे। मौके पर जान गंवाने वाले तीनों मृतकों में एक ही परिवार की दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। तीनों बस में आगे की सीट पर बैठे हुए थे। मक्सी थाने के एसआई दीपेश व्यास ने बताया कि उज्जैन मक्सी रोड पर दोंगता के पास बस और उज्जैन की ओर से आ रहे ट्राले में सामने-सामने भिड़ंत हो गई। केस दर्ज कर लिया गया है। शवों को शाजापुर जिला अस्पताल भिजवाया गया है। 60 से 62 सवारी सफर कर ही थी, जिनके नाम हमें पता चले हैं। हादसे की जानकारी लगते ही तराना, कायथा और मक्सी का बल मौके पहुंच गया था। ट्राले से भिड़ंत होते ही बस का सामने वाला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सामने बैठे तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। मक्सी थाना प्रभारी गोपाल सिंह चौहान ने बताया हादसे की सूचना सुबह करीब 5 बजे मिली थी। मौके पर पहुंचा तो शारदा ट्रेवल्स की बस यूपी 75 एटी 4799 ट्राले में घुसी हुई थी। बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया था। कुछ घायल बाहर सड़क पर पड़े थे, जबकि ज्यादातर बस के भीतर थे।

शहडोल में स्कूटी को ट्रक ने रौंदा , दो की मौत

शहडोल, यशभारत। शहडोल जिले के अमलाई थाना क्षेत्र के श्रीवास्तव मोड़ के पास हुए सड़क हादसे में दो युवतियों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर हालत में घायल है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। ये तीनों एक स्कूटी पर सवार होकर मंदिर से लौट रहे थे तभी कोयले से भरे ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग गया। बताया गया कि धनपुरी के वार्ड नंबर 17 में एक परिवार के घर मंगलवार को शादी समारोह था, दोनों युवतियां शादी समारोह में शामिल होने आई हुई थीं। युवक मेहमानों को घुमाने व मंदिर दर्शन कराने जा रहा था। ये तीनों अमलाई थाना क्षेत्र के ओपियम स्थित भौतरणी मंदिर गए थे, मंदिर दर्शन कर स्कूटी (एमपी 18 एसए 3542) पर सवार होकर घर लौट रहे थे। जैसे ही अमलाई थानां क्षेत्र के श्रीवास्तव मोड़के समीप पहुंचे तभी सामने से कोयले से भरा तेज रफ्तार ट्रक (सीजी 15 एसी 5343) ने इनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।

सत्यपाल मलिक के सहयोगी के घर CBI का छापा

■ जम्मू, एजेंसी।

सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के करीबियों के घर छापा मारा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई कुल 8 जगहों पर छापेमारी की है. जिन लोगों के घर छापा मारा गया है, उनमें मलिक के एक मीडिया सलाहकार भी शामिल हैं. ये तब मीडिया सलाहकार थे, जब सत्यपाल मलिक जम्मू-कश्मीर के गवर्नर थे. एक जांच अधिकारी ने रेड की जानकारी देते हुए बताया कि ये मामला कथित बीमा घोटाले से जुड़ा है. और जिन आठ जगहों पर छापामारा गया है, वो जम्मू-कश्मीर, दिल्ली और राजस्थान में स्थित हैं अक्टूबर 2021 में सत्यपाल मलिक ने दावा किया था कि उन्हें दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत ऑफर की गई थी.एक अंग्रेजी दैनिक की रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें एक फाइल आरएसएस के नेता से जुड़ी थी. मलिक के आरोपों के बाद CBI ने दो मामले दर्ज किए थे।

बडी कामयाबी, अबभारत लाया जाएगा मुंबई हमलों का आरोपी तहव्वुर राणा

■ मुंबई, एजेंसी।

2008 के मुंबई आतंकी हमलों के एक केस में भारत को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अमेरिका में कैलिफोर्निया की अदालत ने आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को अनुमति दे दी है। जून 2020 में भारत ने प्रत्यर्पण की मांग की थी। तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई कारोबारी है।

मुंबई हमलों में तहव्वुर राणा की भूमिका

बता दें, साल 2008 में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के आतंकवादियों ने मुंबई हमलों को अंजाम दिया था। आतंकी हमलों में छह अमेरिकियों समेत कुल 166 लोग मारे गए थे। हमलों में राणा की भूमिका की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है। इन हमलों में राणा की भूमिका के लिए भारत के प्रत्यर्पण के अनुरोध पर अमेरिका ने उसे गिरफ्तार कर लिया था।अदालती सुनवाई के दौरान संघीय अभियोजनकर्ताओं ने दलील दी कि राणा इस बात से वाकिफ था कि उसके बचपन का पाकिस्तानी-अमेरिकी दोस्त डेविड कोलमैन हेडली लश्कर ए तैयबा से जुड़ा था।अमेरिकी सरकार ने जोर देकर कहा कि राणा साजिश का हिस्सा था और उसने एक आतंकी कृत्य को अंजाम देने का बड़ा अपराध किया। दूसरी ओर, राणा के अटॉर्नी ने प्रत्यर्पण का विरोध किया।

कूनो नेशनल पार्क से सात चीतों को तत्काल अन्यत्र शिफ्ट करना जरूरी

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश के मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक जसवीर सिंह चौहान ने कूनो नेशनल पार्क से चीतों को दूसरे स्थान पर तत्काल शिफ्ट करने के लिए अब वन विभाग के अपर मुख्य सचिव जेएस कंसोटिया को नोटशीट लिखी है। उन्होंने लिखा है कि कूनो से चीतों को शिफ्ट करना जरूरी है, क्योंकि कुछ समय में वहां क्षमता से अधिक चीते हो जाएंगे। ऐसे में उनकी देखरेख करना मुश्किल हो जाएगा और कोई महामारी फैल गई तो चीता प्रजाति पर संकट आ सकता है। चौहान पांच अप्रैल को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को भी पत्र लिख चुके हैं, जिसका जवाब नहीं आया है। इसी मुद्दे पर मंथन के लिए गुरुवार को चीता टास्क फोर्स की बैठक बुलाई गई है। चौहान ने यह भी लिखा है कि वर्तमान परिस्थिति की जानकारी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, वनमंत्री विजय शाह और मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को भी दी जानी चाहिए, ताकि समय रहते कोई निर्णय लिया जा सके। उनका मानना है कि सात चीतों को तत्काल कहीं और शिफ्ट करने की जरूरत है। वन अधिकारियों का कहना है कि राजस्थान का मुकुंदरा हिल्स नेशनल पार्क ही एक मात्र स्थान है, जहां चीतों को तत्काल शिफ्ट किया जा सकता है। इस पार्क की जलवायु चीतों के अनुकूल है और यह चैनलिंग जाली से घिरा क्षेत्र भी है। हालांकि राजनीतिक कारणों से ऐसा होना संभव नहीं दिखाई देता है। इस संबंध में जेएस चौहान से बात करने की कोशिश की, पर वे कुछ भी बताने को तैयार नहीं हैं।

अगले 5 साल गर्मी से झुलसेगी पूरी दुनिया!

धरती उगलेगी आग, टेंपरेचर राइज को लेकर WMO ने जारी किया अलर्ट

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

अगले पांच सालों में वैश्विक तापमान बढ़ने की संभावना जताई गई है. बताया जा रहा है कि साल 2023 से 2027 के बीच अब तक की सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है. साथ ही यह भी अनुमान लगाया है कि इन पांच वर्षों में कोई एक ऐसा साल होगा, जो 2016 के तापमान का रिकॉर्ड भी तोड़ेगा. संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने जानकारी दी है। WMO के अनुसार 98 प्रतिशत संभावना है कि आगामी पांच साल रिकॉर्ड स्तर की गर्मी दर्ज की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र ने ग्रीनहाउस गैसों और अल नीनो से तापमान बढ़ने की चेतावनी जारी की है, जलवायु परिवर्तन में तेजी आने से तापमान में और बढ़ोतरी होने का अनुमान है. मौसम संगठन के महासचिव प्रोफेसर पेटेरी तालस ने कहा कि इन पांच वर्षों में स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, जल प्रबंधन और पर्यावरण पर इसके दुरगामी प्रभाव पड़ेंगे, जिसके लिए हमें तैयार रहने की जरूरत है. वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन ने बताया कि पेरिस जलवायु समझौते में जो ग्लोबल टेम्परेचर्स सेट किया गया था, वह उससे पार जाने वाला है।

WMO के लिए खतरे की घंटी बजी

WMO ने बताया कि 66 प्रतिशत संभावना है कि साल 2023-2027 के बीच एनुअल ग्लोबल सरफेस का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाएगा. इन पांच साल में हर साल के 1.1C से 1.8C का लिमिट रखा गया है. यूएन वेदर एजेंसी के चीफ पेटेरी तालस ने बताया कि WMO के लिए खतरे की घंटी बज रही है कि हम टेंपररी बेसिस पर 1.5 सेल्सियस के स्तर को पार कर जाएंगे. एजेंसी ने बताया कि आने वाले दिनों में अल-नीनो के डेवलप होने की प्रबल संभावना है।

सितंबर तक 80 फीसदी विकसित हो जाएगा अल नीनो

बता दें कि अल नीनो प्रशांत महासागर में आने वाला एक किस्म का मौसमी बदलाव है. इस दौरान मौसम में कभी भी बदलाव आ सकता है. बेमौसम बारिष प्रचंड गर्मी, कभी सर्दी जैसी स्थिति उत्पन्न होने लगती है. अल नीनो के विकसित होने के बाद 2024 में वैश्विक तापमान बढ़ेगा. WMO ने कुछ दिन पहले कहा था कि अल नीनो के विकसित होने की संभावना जुलाई के अंत तक 60 फीसदी और सितंबर के अंत तक 80 फीसदी थी।

प्रमुख क्षेत्रों में जाम का दंश भोगते लोग

बढ़ते वाहन, सड़क किनारे दुकानें बन रही कारण

जबलपुर, यशभारत। संस्कारधानी के लोग रोजाना प्रमुख क्षेत्रों में जाम का दंश भोगने के लिए मजबूर हैं। इसका प्रमुख कारण तेजी से बढ़ रहे वाहन और व्यस्ततम व्यापारिक क्षेत्रों में अतिक्रमणों की भरमार। चौराहों, तिराहों के साथ सड़कों के किनारे अपनी चौखट लांघकर फैली दुकानों के कारण लगने वाला जाम रोज का सिरदर्द बन गया है। इन मनमाने अतिक्रमणों ने सामान्य यातायात व्यवस्था ध्वस्त कर दी है।

तीज-त्योहार के समय तो ये अतिक्रमण नासूर बनकर यातायात पुलिस को सुबह से देर रात तक अति व्यस्त रखने का सबब बन जाते हैं। इस दौरान जगह-जगह दुर्घटनाओं के अलावा विवाद की स्थिति भी बनती रहती है। शहर के हृदय-स्थल को सिविक सेंटर पुकारा जाता है, यहां सिविक सेंस के अभाव की बानगी हर दूसरे कदम पर आसानी से देखी जा सकती है। यहां नगर निगम की नाक के नीचे से अतिक्रमणों की शुरुआत हो जाती है। यह सिलसिला आगे की तरफ बाजार क्षेत्र तक जारी रहता है। जबलपुर की सबसे शानदार सड़क को माडल रोड के नाम से पुकारा जाता है। इसकी मजबूती बेमिसाल है, किंतु दोनों तरफ जगह-जगह किए गए अतिक्रमणों ने अच्छी-खासी चौड़ी सड़क को संकरी कुलिया जैसा जामा पहना दिया है। सबसे अधिक सड़क पर दो पहिया व चार पहिया वाहन यत्र-तत्र खड़ा कर देने वाले समस्या मूलक बने हुए हैं। तमाम ट्रेवल संचालकों ने इस शानदार सड़क को अवैध पार्किंग का अड्डा बना दिया है। इसके अलावा निर्माणाधीन फ्लाईओवर के कारण रानीताल चौक,बल्देवबाग, चेरीताल चौक के अलावा निवाड़गंज में लंबा जाम लगता हे। यही हाल दीनदयाल चौक क्षेत्र का है। यहां सड़कों के किनारे लंगी सब्जी की दुकानों के कारण यातायात अवरुद्ध रहता है। गुरूवार को उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा अंतर्गत कछपुरा ब्रिज से लेकर लेबर चौक तक सड़क पर लंबा जाम लगना आए दिन की बात है। जाहिर सी बात है कि इस मार्ग पर सड़क के दोनों तरफ दुकानों को शेड आदि के जरिए बढ़ा लिया गया है। त्योहार के समय दुकानों को सजाने की आड़ में किया गया यह उपाय त्यौहार के बाद भी कायम रखा गया। इससे वाहनों की सामान्य आवाजाही के लिए स्थान की कमी हो गई। नतीजतन जाम में फंसे वाहन सवार बुरी तरह खीझते दिखे। जाम के जंजाल से मुक्ति पाने के लिए वे जहां-तहां अपने वाहन ले जाने की कोशिश करते रहे।

लिखित नहीं मौखिक व कंट्रोल मैसेज से सीटीआईओ की लग रही है ड्यूटी

सीटीआई पद के लिए 2 लोगों का हुआ इंटरव्यू जल्द होगी नियुक्ति

जबलपुर यश भारत। रेलवे राजस्व वसूली में पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर रेल मंडल का नाम इन दिनों सुर्खियों में है रेलवे राजस्व वसूली में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर सीनियर डीसीएम विश्वरंजन द्वारा जहां अधीनस्थ स्टाफ को कार्यप्रणाली सिखाई वहीं उनकी रेलवे राजस्व अर्जित करने में एकाग्रता भी रही किंतु इतना सब कुछ होने के बावजूद भी इन दिनों टीटी स्टाफ में एक चर्चा का विषय यह भी बना हुआ है कि इन दिनों बिना आदेश के सीटीआई एवं टीसी ड्यूटी कर रहे हैं यह क्रम काफी लंबे समय से चला रहा है हालांकि इस संबंध में जवाबदेह अधिकारी ने बताया कि हाल ही में एक सीटीआई का रिटायरमेंट हुआ है जिनकी जगह पर जल्द ही पोस्टिंग की जाएगी। इस संबंध में रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जो सीटीआई हैं उनके पास किसी प्रकार का आदेश नहीं है अपने मनमाफिक ढंग से गाड़ियां लगाई जा रही है इस विषय को लेकर टीटीई स्टाफ में काफी आक्रोश व्याप्त है सूत्रों के मुताबिक यहां पर जवाबदेह पदों में वरीयता का ध्यान रखते हुए पोस्टिंग करके बैठाना चाहिए टीटी स्टॉप इस मामले को लेकर स्टॉप अपनी आवाज इसलिए बुलंद नहीं कर पाता क्योंकि उसके ऊपर वरिष्ठ अधिकारियों की गाज गिर सकती इसलिए वह चुपचाप अपनी ड्यूटी कर रहा है/

यशभारत विशेष

नहीं बन रही डिटेल

स्टेशन में चल रही मनमाफिक ड्यूटीओं से जहां एक ओर आक्रोश है वही लंबे समय से यहां पर डिटेल रजिस्टर तैयार नहीं हो पा रहा है सूत्रों की माने तो सीटीआई डिटेल के लिए पांच अधिकारी बैठते हैं तब कहीं जाकर डिटेल बनती है यह नियम लंबे समय से ठंडे बस्ते पर पड़ा हुआ है जानकारों के मुताबिक पिछले 3 वर्षों से एक ही सुपरवाइजर के ऊपर जिम्मेदारी का बोझ होने के कारण भी परेशानियां उत्पन्न हो रही है।

कम से कम 8 टीसी होना जरूरी

मुख्य रेलवे स्टेशन जबलपुर में टीटी स्टाफ की कमी होने के कारण कुछ अवस्थाएं हैं जानकारी के अनुसार 8 घंटे की ड्यूटी में 8 टीसी होना चाहिए जो ग्राउंड पर यात्रियों की टिकट चेक करते हैं किंतु यहां देखने को मिला है कि प्लेटफार्म नंबर 1 एवं 6 में टीसी की कमी होने के कारण जिस यात्री की जहां से मर्जी हो वह वहीं से बिना कोई रोक-टोक के निकल रहा है।

किलेबंदी व बस रेड बंद पड़ी

पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर रेल मंडल में करीब 3 वर्ष पूर्व ट्रेनों की किलेबंदी एवं बस रेड अभियान चलता था जिसमें बिना टिकट यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाती थी किंतु वह भी लंबे समय से बंद पड़ी हुई है रेलवे सूत्रों के अनुसार इस अभियान में रेलवे को जहां अधिक राजस्व अर्जित होता था वही फोकट में यात्रा करने वाले यात्रियों में हड़कंप की स्थिति निर्मित रहती थी किंतु वह भी लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी हुई है उल्लेखनीय है कि जबलपुर से बनने वाली गाड़ियों में तो 3 से लेकर 4 तक टिकट निरीक्षक चलते हैं किंतु जबलपुर से गुजरने वाली गाड़ियों में जबलपुर से एक ही टिकट निरीक्षक चल रहा है ऐसी स्थिति में टिकट निरीक्षक एवं यात्रियों के बीच वाद विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है जानकारी के अनुसार जबलपुर से गुजरने वाली गाड़ियों में कम से कम 4 टिकट निरीक्षकों का होना अनिवार्य है।

सीटीआई के लिए स्टाफ के 2 लोगों का इंटरव्यू लिया गया है नियुक्ति होने तक कंट्रोल मैसेज के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है जल्द ही यह व्यवस्था है दुरुस्त होगी।

विश्वरंजन
सीनियर डीसीएम जबलपुर रेल मंडल

संक्षिप्त न्यूज

सियाटल अमेरिका में संस्कारधानी को फिर एक बार गौरवान्वित किया डॉ अभिषेक श्रीवास्तव ने

जबलपुर, यशभारत। सियाटल अमेरिका में डॉ अभिषेक श्रीवास्तव को फेलोशिप से सम्मानित किया गया पूरे भारत में जहां 6 डॉक्टर को सम्मानित किया गया वहीं मध्य प्रदेश जबलपुर से डॉ अभिषेक श्रीवास्तव ने मध्यप्रदेश के साथ जबलपुर संस्कारधानी को भी गौरवान्वित किया है यह फेलोशिप डायबिटीज और थायराइड को नवीनतम इलाज के लिए दिया गया है डॉ अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि डायबिटीज और शुगर दोनों ही मरीजों के लिए काफी हानिकारक होती हैं साथ ही डॉ अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया की अपने दैनिक दिनचर्या में एक्सरसाइज और खानपान का विशेष ध्यान रखना जरूरी है

गरीब नवाज कमेटी ने किया निर्धन व्यक्ति का अंतिम संस्कार

जबलपुर, यशभारत। गरीब नवाज कमिटी के द्वारा मानवता की एक बार फिर मिशाल पेश की है जहाँ कटंगी झोप? पट्टी में बिहार से आकार शहर में मजदूरी करने वाले मोहम्मद शरीफ की बीमारी के चलते उपचार के दौरान मौत हो गई, वही वृद्ध का शहर में कोई न होने के चलते जब इसकी सूचना गरीब नवाज कमेटी के इनायत अली को लगी तो वह मौके पर पहुँचे और बिहार में रहने वाले परिजनों से संपर्क किया वही घर की स्थिति अच्छी न होने के चलते परिजनों ने आने में असमर्थता जताई जिसके बाद गरीब नवाज कमेटी के इनायत अली के द्वारा मृतक मोहम्मद शरीफ का मंडी मदार टेकरी में विधि विधान से अंतिम संस्कार करवाया गया।

शहरभर में छाएगा शनि जयंती का उल्लास

जबलपुर, यशभारत। सूर्य पुत्र शनिदेव का उल्लास शहरभर में छाने लगा है। शनि मंदिरों में आकर्षक साज सज्जा की जा रही है। शनि जयंती 19 मई को भगवान का विभिन्न स्वरूप में श्रंगार होगा। हिंदू धर्म में शनि जयंती का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। खासकर उन लोगों के लिए जिनके उपर शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या या फिर कुंडली में शनि की खराब स्थिति हो और शनिदेव का प्रभावों से उन्हें कष्ट झेलने पड़ रहे हैं। क्योंकि शनि जयंती का दिन शनिदेव की कृपा प्राप्त करने के लिए सबसे उत्तम दिन माना जाता है। इस दिन शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए लोग कई तरह के उपायों के साथ-साथ पूजा भी करते हैं।इस बार शनि जयंती 19 मई को मनाई जाएगी। ऐसे में जिन लोगों पर इस समय शनि की साढ़ेसाती चल रही है या शनि के कष्टों से मुक्ति पाना चाहते हों तो वे लोग इस दिन शनि के कुछ शक्तिशाली मंत्रों का जाप कर सकते हैं। इन मंत्रों का जाप करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और शनि दोष और साढ़ेसाती में राहत

पमरे में पेंशन अदालत में समस्याएं का तुरंत निराकरण

जबलपुर यशभारत। भारत सरकार के कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के समन्वय में 17 मई 2023 को ऑल इंडिया पेंशन अदालत का आयोजन वर्चुअल मीटिंग गूगल मीट के माध्यम किया गया। इस आयोजन के तहत जबलपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक विवेक शील के दिशा-निर्देश में पेंशनरों की समस्याएं सुनी गई एवं उनका तुरंत निराकरण किया गया। इस कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) दीपक कुमार गुप्ता, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (ई) सी. एल. बैरवा, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (यातायात) पंकज कुमार सिन्हा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक प्रशांत कुमार अहिरवार सहित मंडल के कार्मिक विभाग एवं लेखा विभाग के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।कार्यक्रम के अंत में सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (यातायात) पंकज कुमार सिन्हा ने पेंशन अदालत के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसके आलावा भोपाल एवं कोटा मण्डल में भी ऑल इंडिया पेंशन अदालत 2023 का आयोजन किया गया।

क्षत्रिय राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन ,पारिवारिक मिलन समारोह 20 को

जबलपुर, यशभारत। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा, जबलपुर संभाग द्वारा निःशुल्क वैवाहिक सम्मेलन एवं पारिवारिक मिलन का आयोजन 20 मई 2023 शनिवार, प्रातः 11 बजे से मानस भवन में किया जा रहा है। सम्मेलन में जबलपुर के लोकप्रिय सांसद राकेश सिंह को क्षत्रिय गौरव सम्मान से एवं नगर के प्रथम नागरिक एवं युवा महासभा के संरक्षक जगत बहादुर सिंह च्अन्नूज्ज महापौर को क्षत्रिय अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है। कार्यक्रम में जगत बहादुर सिंह च्अन्नूज, राघवेन्द्र सिंह चौहान, कृष्ण शेखर सिंह, इंजी. प्रहलाद सिंह राजपूत, राजेन्द्र सिंह ठाकुर, शंकर सिंह, अमित सिंह बैस, शिवेन्द्र सिंह गौर, डॉ. शिव कुमार सिंह, रूपेश सिंह, सुरजीत सिंह, रणजीत सिंह, डॉ. लोकेश सिंह, श्रीमती वर्षा चौहान, श्रीमती सीमा चौहान, एकता ठाकुर, श्रीमती सुनिता सिंह, श्रीमती उर्मिला सिंह आदि ने सभी स्वजातीय जनो से सपरिवार उपस्थिति का आग्रह किया है।

नया बाजार के दुकानदारों को मिला 3 दिन का अल्टीमेटम...

जबलपुर यशभारत। नगर निगम द्वारा नया बाजार मार्केट के दुकानदारों को 3 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। नया बाजार मार्केट के समस्त दुकानदारों को प्रीमियम निर्धारित कर राशि जमा करने बार-बार नोटिस दिया गया एवं मौखिक रूप से भा सभी दुकानदारों को समझाइश दी गई, इन सबके बावजूद भी दुकानदारों के द्वारा प्रीमियम राशि जमा करने में रूचि नहीं दिखाई गई, जिसके कारण निगमायुक्त स्वप्निल वानखड़े के निर्देश पर बाजार अधीक्षक दिनेश प्रताप सिंह ने सभी संबंधित नया बाजार मार्केट के दुकानदारों को नोटिस जारी कर 3 दिन का अल्टीमेटम दिया है। नोटिस के संबंध में बाजार अधीक्षक सिंह ने बताया कि निगम स्वामित्व की नया बाजार मार्केट के समस्त दुकानदारों को राज्य शासन के आदेशानुसार अतिक्रमित भूमि का प्रीमियम निर्धारत कर बार-बार नोटिस दिया गया। उन्होंने बताया कि नोटिस देने के उपरांत दुकानदार द्वारा कुछ राशि जमा की गई उस राशि को घटाते हुए संपूर्ण राशि जमा करने हेतु अंतिम नोटिस दिनांक 27 अप्रैल 2023 को दिया गया था।

राशि न जमा करने पर होगी खाली कराने की कार्यवाई

उक्त नोटिस के उत्तर में कोई भी दुकानदार द्वारा राशि जमा नहीं की गई। उन्होंने कहा कि नया बाजार मार्केट के दुकानदारों को 3 दिवस के भीतर अतिक्रमित भूमि से स्वतः अपना कब्जा हटा लें या निगम कोष में संपूर्ण प्रीमियम राशि जमा करें। अन्यथा नगर निगम द्वारा आगामी 24 मई को अतिक्रमण दल एवं पुलिस बल के सहयोग से अतिक्रमित भूमि खाली करने की कार्यवाही की जावेगी, जिसकी संपूर्ण जबावदारी संबंधित दुकानदार की होगी।

आरक्षण केंद्र पहुंचकर सीनियर डी.सी.एम. ने किया निरीक्षण.दिए आवश्यक निर्देश

जबलपुर यशभारत। तत्काल आरक्षण करने वाले यात्रियों को जबलपुर स्टेशन स्थित आरक्षण केंद्र में होने वाली परेशानियों से उन्हें बचाने एवं उन्हें सुविधा से त्वरित आरक्षण उपलब्ध करने के लिए समुचित व्यवस्थाये निर्मित करने के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन ने आज बुधवार 17 मई को आकस्मिक रूप से आरक्षण केंद्र का निरिक्षण किया(इस अवसर पर श्री रंजन ने आरक्षण केंद्र के अंदर कर्मचारियों की कार्यशेली को देखकर तत्काल आरक्षण कार्य को तेज रफ्तार से करने, तत्काल के टोकन बाटने की व्यवस्था सहित स्टाफ के विषय में जानकारी प्राप्त की. उल्लेखनीय है कि ग्रीष्म ऋतू एवं छुट्टियों के सीजन में ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ रही है इसके साथ ही तत्काल एवं सामान्य आरक्षण में भी लोगों की बढती भी? को देखते हुए रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए व्यवस्थाये की जा रही है. इस अवसर पर श्री रंजन ने आरक्षण कार्य को सुगम बनाने स्टाफ को निर्देश भी दिए।

अमित सिंह परिहार बने खाद निगम में सदस्य

जबलपुर, यशभारत। अमित सिंह परिहार को भारतीय खाद निगम भारत सरकार में सदस्य बनाया गया है। उनकी नियुक्ति पर शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

अप्रैल माह में गुड्स ट्रैफिक से 487 करोड़ से अधिक आय अर्जित*

जबलपुर यशभारत। पश्चिम मध्य रेल जबलपुर सहित तीनों मण्डलों के माल यातायात में वृद्धि करते हुए रेलवे राजस्व वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके परिणामस्वरूप पमरे महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में और प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एवं परिचालन विभाग के नेतृत्व में चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल माह में 487 करो? 24 लाख रूपये माल यातायात से ऑरिजनेटिंग आय अर्जित की।

निर्जला एकादशी व्रत 31 मई को सभी एकादशी में है सबसे श्रेष्ठ

जबलपुर, यशभारत। हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। माना जाता है कि एकादशी का व्रत करने से जातकों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और मरनोप्रांत बैकुंठ धाम में स्थान मिलता है। हालांकि एकादशी हर महिने के शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष दोनों में पड़ती है लेकिन हर एक एकादशी का महत्व अलग होता है। वहीं ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को निर्जला एकादशी कहा जाता है। यह एकादशी का व्रत कष्टों से मुक्ति दिलाने वाला माना जाता है और समस्त पापों से भी मुक्ति दिलाता है। माना जाता है कि जो लोग पूरे साल की एकादशी नहीं कर पाते हैं वे लोग इस एक एकादशी को करके सभी एकादशियों का फल प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं इस साल निर्जला एकादशी 31 मई 2023, बुधवार के दिन पड़ेगी। निर्जाल एकादशी के दिन अन्न और जल दोनों का त्याग करना पड़ता है, तभी ये व्रत सफल होता है।

निर्जाला एकादशी शुभ मुहूर्त

- एकादशी तिथि की शुरुआत 30 मई दोपहर 01.32 मिनट पर होगी। - एकादशई तिथि का समापन 31 मई दोपहर 01.36 मिनट पर होगा।- उदया तिथि होने के कारण एकादशी तिथि का व्रत 31 मई के दिन रखा जाएगा।- व्रत का पारण 1 जून 2023 यानि गुरुवार के दिन करें. पारण का शुभ मुहूर्त सुबह 05.24 से 08.10 बजे तक है।

जबलपुर जिला सीएम हेल्पाइन में अव्वल जनसेवा अभियान में सातवें स्थान पर

जबलपुर, यशभारत। जिले में बीते हफ्ते भर से मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान चल रहा है। इस अभियान के तहत लोगों से उनकी समस्याओं एवं शासन की योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा कराकर उनके निराकरण की कार्रवाई जा रही है। इसी प्रकार से सीएम हेलपलाइन के प्रकरणों के त्वरित निराकरण की भी प्रक्रिया चल रही है। सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों के निपटारे में तो जिला प्रदेश में अव्वल है, लेकिन जनसेवा अभियान में आवेदन जमा कराने के मामले में जबलपुर जिला सातवें स्थान पर है।

खरगोन जिला सबसे आगे

ऐसी ही सेवाओं में सीएम हेल्पलाइन भी शामिल है, सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों के निपटारे में जबलपुर जिला पूरे प्रदेश में अव्वल है। इसके मुकाबले यदि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान की तुलना की जाए तो जबलपुर जिला आवेदनों को जमा करा पाने के मामले में सातवें पायदान पर है। मौजूदा अभियान के क्रियान्वयन में प्रदेश का खरगोन जिला सबसे आगे है।

किस जिले से कितने आवेदन

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत आवेदन जमा कराने की बात की जाए तो खरगोन जिले में एक लरख 58 हजार 719 आवेदन जमा कराए गए हैं। इसी प्रकार से इंदौर में एक लाख चार हजार एक सौ इकहत्तर, विदिशा में 81 हजार 258, बैतूल में 66 हजार 185, रतलाम में 65 हजार 412, सीहोर में 62 हजार 152 और जबलपुर में 58 हजार 966 आवेदन जमा कराए जा सके हैं। श्योपुर में 49 हजार 150 आवेदन जमा हुए हैं।

योजना का लाभ सुनिश्चित कराया जाए

सरकार की ओर से 10 मई से मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान आमजन को शासन की तमाम योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। शासन-प्रशासन का प्रयास है कि जो भी हितग्राही जिस भी शासकीय योजना का लाभ लेने की पात्रता रखते हैं, उनको संबंधित योजना का लाभ सुनिश्चित कराया जाए।

राज्य सेवा परीक्षा-2022 21 मई को होगी

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश में राज्य सेवा की प्रारंभिक परीक्षा 21 मई से होगी। मप्र लोक सेवा आयोग ने इस परीक्षा के लिए हर संभाग में पर्यवेक्षक बनाए है। 21 मई को जबलपुर समेत 52 जिलों में अलग-अलग केंद्रों पर परीक्षा होगी। परीक्षा का समय सुबह 10 से 12 और दोपहर 2.15 से शाम 4.15 बजे तक रहेगा।आयोग के अनुसार परीक्षा में 442 पदों के लिए तीन लाख से ज्यादा परीक्षार्थी भाग लेंगे। हर संभाग में बनाए गए पर्यवेक्षक परीक्षा पर निगरानी रखेंगे। परीक्षार्थी परीक्षा की गड़बड़ी व अन्य व्यवस्था से जुड़ी शिकायत पर्यवेक्षकों से कर सकेंगे। इस परीक्षा के लिए एक कंट्रोल रुम भी बनाया गया है। परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पहले पहुंचना होगा और जांच के बाद ही उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिलेगा। इलेक्ट्रानिक डिवाइस या मोबाइल फोन परीक्षार्थी नहीं ले जा सकेंगे। सख्त चैकिंग के कारण उन्हें केंद्रों पर जल्दी बुलाया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए अलग-अलग विभागों के कर्मचारियों व अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है।राज्य सेवा परीक्षा के अलावा राज्य वन परीक्षा भी 21 मई को होगी। यह परीक्षा 15 पदों के लिए होगी। इस परीक्षा के लिए भी तीन लाख से ज्यादा आवेदन आए है।पिछले साल इस परीक्षा के लिए भी तीन लाख से ज्यादा आवेदन आए थे।

भाजपा एमएलए शराब सिंडिकेट को लेकर नाराज कहा गांव-गांव शराब बिकने नहीं दूंगा

जबलपुर, यशभारत। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पनागर विधायक सुशील तिवारी इंदू शराब सिंडिकेट को लेकर काफी नाराज दिख रहे हैं। विधायक ने पहले कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शराब सिंडिकेट की जानकारी दी है। इसके बाद विधायक का कहना है कि शराब माफिया ने लूट मचाकर रखी है, गांव-गांव शराब बिकवाई जा रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मालूम हो कि शराब माफिया द्वारा सिंडीकेट बनाए जाने के बाद अब जमकर हड़कंप की स्थिति है। शहर में महंगे दामों पर बिक रही शराब को लेकर मामला मुख्यमंत्री तक पहुंच गया है। पनागर विधायक सुशील तिवारी इंदू ने सिंडीकेट पर कार्यवाही के लिये पहले कलेक्टर को पत्र को लिखा और अब उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री से बात कर मामले को हाईप्रोफाईल बना दिया है। सूत्रों की मानें तो सीएम सीधे इस मामले में अधिकारियों से जवाब तलब किया और पूछा है कि यह सिंडीकेट कहा है। वहीं बताया यह भी जा रहा है कि सीएम ने स्पष्ट निर्देश दिये हैं किय जबलपुर क्या पूरे मध्यप्रदेश में कहीं भी सिंडीकेट नहीं होना चाहिये। जहां यह पनप रहा है, वहां खत्म कराओ।

ग्रामीण क्षेत्रों में मनमाने दामों पर बिक्री

विधायक इंदु तिवारी ने बताया कि सीएम की फटकार के बाद शराब के दाम एमआरपी पर तय कराने में आबकारी अमला सक्रिय हुआ। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी मनमाने दामों पर शराब बेची जा रही है। मध्य प्रदेश सरकार ने नई आबकारी नीति के तहत छोटे छोटे समूहों में शराब दुकानों का निष्पादन किया था। किसी ग्रुप में चार दुकान हैं, किसी में दो तो किसी में तीन हैं। जिले में कुल 45 समूह नीलाम हुये। जिनमें 144 कम्पोजिट(देसी-विदेशी) शराब दुकानें हैं, कुल 45 समूहों में से 43 समूह के ठेकेदार सिंडीकेट में शामिल हो गये। जबकी पनागर समूह के रम्मू पहारिया और मालवीय चौक समूह के रीतेश शर्मा सिंडीकेट से बाहर हैं। यह लोग सिंडीकेट में शामिल नहीं हुये। पनागर ग्रुप में कुल 4 दुकानें हैं, जबकी मालवीय चौक ग्रुप में कुल 2 दुकानें आती हैं।

सीएम से सीधे हुई शिकायत

इसी बीच पनागर के विधायक सुशील तिवारी इन्दू द्वारा जिला कलेक्टर सौरभ सुमन को 15 मई को एक पत्र प्रेषित किया जिसमें उन्होंने आग्रह किया कि शासन द्वारा मप्र आबकारी नीति वर्ष 2023-24 छोटे ठेकेदारों को प्रोत्साहित करने एवं रोजगार बढ़ाने के दृष्टि से बनाई गई थी लेकिन शहर की शराब दुकानों पर एक विशेष समूह ने कब्जा कर सिंडिकेट बना कर निर्धारित (एमआरपी) से ऊपर अतिरिक्त 50-60 रुपए ले कर ग्राहकों को महंगी दर पर शराब बेची जा रही है। जिससे शासन की बदनामी हो रही है। इस सिंडिकेट में जो लोग शामिल हैं उन्हें विभिन्न प्रकार से प्रताड़ित किया जाता है। श्री तिवारी ने पत्र में कहा है कि अंग्रेजी, देशी शराब की निर्धारित दर से अधिक वसूली के लिए अनुज्ञप्तिधारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके बाद भी आबकारी अमला ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रीय नहीं हुआ। शहर में तो रेट निर्धारित करा दिये लेकिन गांव में अभी भी मनमाने दामों पर शराब बेची जा रही है। जिसके बाद पनागर विधायक ने मुख्यमंत्री के संज्ञान में पूरा मामला लाया गया। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से सवाल किया कि यह सिंडीकेट क्या है। अकेले जबलपुर नहीं पूरे प्रदेश में कहीं भी सिंडीकेट नहीं पनपना चाहिये, इसे खत्म कराओ। जिसके बाद से जबलपुर ही नहीं पूरे प्रदेश के आबकारी अमले में हड़कंप का माहौल है।

लगातार हो रहे विवाद

गौरतलब है कि सिंडीकेट बनने के बाद शहर में मनमाने दामों पर शराब की बिक्री शुरु होने का हो-हल्ला मचा है। कुछ सुरा प्रेमियों ने शराब दुकानों में रेट को लेकर होती बहसबाजी के विडीयो भी सोशल मीडिया पर वायरल किये थे। कहा तो यह भी जा रह है कि पुलिस और आबकारी विभाग के अमले की सांठगांठ से सिंडीकेट का उदय हुआ। लिहाजा शराब माफिया मनमानी पर उतारू हो गया।

गुवाहाटी एक्सप्रेस के S1 कोच में आई गड़बड़ी

डिब्बे को काटकर किया गया अलग

यात्री परेशान घंटों लेट होने की संभावना

जबलपुर यश भारत। गुवाहाटी एक्सप्रेस के जबलपुर पहुंचते ही उसके ह्य1 कोच में खराबी आ जाने के कारण गाड़ी को प्लेटफार्म नंबर एक में रोक दिया गया मौके पर सीएनडबलू सहित अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे हैं कोच में आई गड़बड़ी के कारण उसको काटा जा रहा है एवं उसकी जगह पर दूसरा कोच लगाने की जद्दोजहद की जा रही है। इस संबंध में रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 15 648 जो गुवाहाटी की ओर जा रही थी उसके एस वन कोच के पहिए में लगा स्प्रिंग क्रेक हो गया जिसके कारण उक्त गाड़ी को आगे जाने से रोक दिया गया सूत्रों के अनुसार उक्त गारी डेढ़ घंटे से स्टेशन में ही खड़ी हुई है जिससे गंतव्य जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जानकारी के मुताबिक उक्त कोच की जगह दूसरा कोच लगाया जा रहा है वहीं सूत्रों ने बताया कि इसकी गड़बड़ी की सूचना गाड़ी कटनी से छूटने के बाद जबलपुर के रेलवे अधिकारियों को दी गई थी जिसके बाद गाड़ी जबलपुर पहुंचते ही चेक किया गया तो स्प्रिंग में क्रेक होना पाया गया जिससे कोच को बदला जा रहा है समाचार लिखे जाने तक उक्त गाड़ी प्लेटफार्म नंबर एक पर खड़ी हुई है।

चित्रकूट एक्सप्रेस का एक रैक एलएचबी रैक में परिवर्तित

जबलपुर यशभारत। रेल प्रशासन यात्रियों की सुरक्षित एवं अरामदायक यात्रा के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 15205/15206 लखनऊ-जबलपुर-लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस को एलएचबी कोच के रैक से चलाने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में यह ट्रेन 04 आईसीएफ रैक के साथ संचालित की जा रही है, जिसमें रैक उपलब्धता के अनुसार अभी एक आईसीएफ रैक को एलएचबी रैक से चलाने का निर्णय लिया गया है। एलएचबी कोच गाड़ी संख्या 15205 लखनऊ-जबलपुर एक्सप्रेस में दिनांक 21.05.2023 से लखनऊ स्टेशन से और इसी प्रकार गाड़ी संख्या 15206 जबलपुर-लखनऊ एक्सप्रेस में दिनांक 22.05.2023 से जबलपुर स्टेशन से गन्तव्य के लिए लगेंगे। गाड़ी में एलएचबी कोच लगने से गाड़ी की कोच कंपोजीशन इस प्रकार रहेगी। कोच कंपोजीशन- इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 05 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 06 शयनयान श्रेणी, 05 सामान्य श्रेणी एवं 01 जनरेटर कार, 01 एसएलआरडी सहित कुल 21 एलएचबी कोच रहेंगे। ज्ञात हो कि मेक इन इंडिया पहल के तहत तैयार किये गए एलएचबी कोच पारंपरिक (आईसीएफ) कोच की तुलना में काफी आरामदायक और अधिक सुरक्षित होते हैं।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार के दिशा निर्देशानुसार आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार श्रीमती सोनम गुप्ता पति राकेश गुप्ता निवासी हनुमान मंदिर त्रिमूर्ति नगर जबलपुर ने श्रीमती आरती तंतुवाय पति नीलेश तंतुवाय निवासी छपारा सिवनी से उनके स्वामित्व की सम्पतित मौजा गोहलपुर नं ब 601, पहनं 01, में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 164/1, रकवा 2000 वर्गफुट भूमि, प्लाट नं 93 व 94 से उक्त सम्पत्ति को क्रय करने का लिखित अनुबंधन पत्र दिनांक 17/5/2023 को निष्पादित कर लिया है। जिसका निकटतम भविय में बैनामा होना शेष है मेरे पक्षकार द्वारा उक्त सम्पत्ति का बैनामा निष्पादित पूर्व यह आम सूचना प्रकाशित करता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था, शासकीय एवं अर्धशासकीय बैंक एवं आमजन आदि को इस विक्रय पर कोई भी आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस आम सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस के भीतर मुझे मेरे कार्यालय में समूचित दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें, निर्धारित समय सीमा पर आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में मेरा पक्षकार उक्त सम्पत्ति का बैनामा निष्पादित कराने के लिए स्वतंत्र होवेगा एवं समयावधि पश्चात आपत्ति अमान्य मानी जावेगी।

स्थानः जबलपुर
दिनांक :17/5/2023

भवदीय
शैलेन्द्र दुबे एडवोकेट
मो.9926344998

साज और आवाज का आयोजन कल

जबलपुर, यशभारत। सुरधाम संगीत कल्याण समिति संस्था जबलपुर द्वारा 19 मई को सांगीतिक कार्यक्रम *साज और आवाज का आयोजन शाम 7 बजे से शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में होने जा रहा है। इस आयोजन में *भारतीय सिनेमा के विख्यात मेंडोलिन वादक च्मेंडोलिन मैन ऑफ इंडिया दादा साहिब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किशोर देसाई फिल्मों में अपने बेहतरीन सफर का सफरनामा प्रस्तुत करेंगे । इस कार्यक्रम में उनके साथ उनकी शिष्या ऐश्वर्या पगारे भी भूले बिसरे सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देंगी द्य इनके साथ जबलपुर की लाडो बिटिया रत्निका श्रीवास्तव एवं सुरधाम ग्रुप के सभी कलाकारों की प्रस्तुतियां विशेष होंगी द्य कार्यक्रम में मंच संचालक के रूप में संगीत विशेषज्ञ, कथाकार, कवि श्री के एल पाण्डेय जी होंगे जिनके कई काव्य संग्रह, लघुकथा संग्रह, एवं संगीत पर 2 पुस्तकें प्रकाशित हो चुके हैं।

व्हीएफजे में दिल्ली से आये ज्वांइट सेक्रेटरी ने देखी जमीन

निजी उद्योगपतियों को दी जायेगी या डिफेंस क्लस्टर खुलेगा

जबलपुर यशभारत। व्हीकल फैक्ट्री में कितनी जमीन का उपयोग हो रहा है और कितनी जमीन खाली पड़ी है इसकी जानकारी लेने के लिए रक्षा उत्पादन विभाग के ज्वाइंट सेक्रेटरी(लेण्ड सिस्टम)ने आज दौरा कर निरीक्षण किया।अधिकारियों ने निर्माणी परिसर का अवलोकन कराते हुए उन्हें पूरी जानकारी दी। जानकारी के अनुसार रक्षा उत्पादन विभाग के ज्वाइंट सेक्रेटरीसुरेंद्र प्रसाद यादव आज व्हीएफजे पहुंचे और उन्होंने अधिकारियों के साथ निर्माणी के भीतर बाहर जमीन का अवलोकन किया,कि कहां पर किस प्रकार का प्रोजेक्ट है और भविष्य में कहां क्या हो सकता है।बता दें कि रक्षा मंत्रालय ने तय किया है कि रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली अनुपयोगी जमीन को बेच दिया जाए या फिर उसका अन्य उपयोग किया जाए।जिससे होने वाली आय को अन्य विकास कार्य में लगाया जा सके।जबलपुर में ओएफके में सबसे ज्यादा जमीन है।उसके बाद जीसीएफ और फिर व्हीएफजे के पास बड़ी मात्रा में जमीन है जिसका उपयोग नहीं हो रहा है।कहा गया कि खाली जमीन पर अतिक्रमण हो गए या होते जा रहे हैं।जो भविष्य में परेशानी का कारण बन सकते हैं।लिहाजा उस जमीन का अन्य उपयोग किए जाने की सरकार की मंशा है।सरकार की मंशा है कि उक्त जमीन निजी उद्योगपतियों को दिए जाने के अलावा निजी डिफेंस क्लस्टर की स्थापना की है।बहरहाल तमाम अधिकारी ज्वांइट सेक्रेटरी को जानकारी दे रहे हैं।

सागर शुक्ला जबलपुर NSUI के जिलाध्यक्ष नियुक्त

पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लिया छात्रसेवा का संकल्प

जबलपुर, यशभारत। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के जबलपुर जिलाध्यक्ष पद पर सागर शुक्ला को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक लखन घनघोरिया की अनुशंसा तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री तरुण भनोट , विधायक विनय सक्सेना एवं संजय यादव की सहमति से शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जगत बहादुर अन्नू सिंह के अनुमोदन पर एन.एस.यू.आई के प्रदेश प्रभारी नीतीश गौर एवं प्रदेशाध्यक्ष आशुतोष चौकसे द्वारा की गई है। नियुक्ति के पश्चात नवनियुक्त अध्यक्ष सागर शुक्ला ने संगठन की संस्थापक पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर छात्रसेवा का संकल्प लिया। संगठन के पूर्व छात्रनेता एवं युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव रिजवान अली कोटी, रघु तिवारी, बादल पंजवानी, कपिल भोजक, रिंकू बदलानी, अरशद अली, अदनान अंसारी, शेख फारुख, आसिफ इकबाल, अमित सोनकर, तौसीफ चंकी, एजाज अंसारी, संदीप जैन,प्रतीक गौतम, सक्षम यादव, अभिषेक सेठी, शफी खान, रिंकू शुक्ला चिंटु ठाकुर, एंड्रियास मसीह हिमासू शर्मा, अंकित शुक्ला, सैफ मंसूरी, अंकित कोरी, वाजिद अनवर, साहिल थॉमस, सैफ अली, सचिन रजक, शादाब अली, आदि ने सागर शुक्ला की नियुक्ति पर बधाई दी है।

महाकोशल एक्सप्रेस में साढ़े तीन लाख की चोरी, जीआरपी में दर्ज कराई रिपोर्ट

मथुरा से यात्रा कर जबलपुर आ रही थी महिला. जेवरात सहित नगदी पार

जबलपुर यश भारत। मथुरा से महाकोशल एक्सप्रेस में यात्रा कर जबलपुर आ रही एक महिला का लेडीज पर्स शातिर चोर ने अमदरा स्टेशन में उस समय पार कर दिया जब महिला गहरी नींद में अपनी बर्थ पर सो रही थी चोरी गए पर्स में जेवरात एवं नगदी रुपए रखे हुए थे उक्त ट्रेन जबलपुर आने पर पीड़ित पक्ष द्वारा जीआरपी में इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई जिसके बाद जीआरपी द्वारा घटना की पड़ताल की जा रही है। इस घटना के संबंध में श्री राम वार्ड सराफा बाजार मंडला निवासी पीयूष अग्रवाल ने जानकारी में बताया कि उनकी 43 वर्षीय पत्नी राधिका अग्रवाल एवं एवं 16 वर्षीय गोपाल उर्फ ज्ञानेश अग्रवाल महाकौशल एक्सप्रेस के एसी कोच में जबलपुर की यात्रा कर रही थी उक्त गाड़ी सुबह 5-45 बजे पर अमदरा स्टेशन पर खड़ी हुई थी इसी दौरान एक 20 वर्षीय शातिर बदमाश कोच के अंदर आया और राधिका अग्रवाल के सिर के नीचे रखा बैग खींचा तो उन्होंने जोर-जोर से चोर चोर की आवाज लगाई किंतु इससे पहले उनकी मदद के लिए कोई मौके पर पहुंचता शातिर चोर बैग लेकर फरार हो गया बैक के अंदर एक मंगलसूत्र 6 नंग सोने की अंगूठी एवं नगदी 16000 रखे हुए थे घटना के बाद ट्रेन जबलपुर के लिए रवाना हुई तो महिला ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई ट्रेन कटनी पहुंचने के बाद महिला द्वारा जीआरपी को भी इस पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया बाद में ट्रेन जबलपुर पहुंचने के बाद पीड़िता जीआरपी थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई महिला के पति पीयूष अग्रवाल ने बताया कि चोरी गए बैग के अंदर एटीएम आधार कार्ड एवं अन्य जरूरी कागजात रखे हुए थे जीआरपी ने अज्ञात चोर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर घटना को विवेचना में लिया है।

ईव्हीएम-व्हीव्ही पेट मशीनों की एफएलसी वर्कशॉप प्रारम्भ

चार संभागों के 21 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी शामिल

जबलपुर यशभारत। विधानसभा के आगामी चुनाव के मद्देनजर आज यहाँ होटल कल्चुरी रेसीडेंसी में ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट मशीनों की एफएलसी वर्कशॉप का शुभारम्भ हुआ । एक दिन की इस वर्कशॉप में प्रदेश के चार संभागों के 21 जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी व ईव्हीएम सुपरवाईजर शामिल हो रहे हैं । वर्कशॉप का शुभारम्भ प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने दीप प्रज्वलित कर किया । इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य एवं महत्ता पर प्रकाश डाला । वर्कशाप में भारत निर्वाचन आयोग के ईव्हीएम डायरेक्टर एस सुंदर राजन ने इव्हीएम एवं व्हीव्ही पेट मशीनों की टेक्निकल और एडमिनिस्ट्रेटिव सिक्योरिटी पर पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन दिया । निर्वाचन आयोग के अपर सचिव ओपी साहनी, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ललित मित्तल एवं सतीश कुमार तथा प्रदेश के उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद शुक्ला भी वर्कशॉप में मौजूद हैं । निर्वाचन आयोग के आये प्रशिक्षकों द्वारा ईव्हीएम एवं व्हीव्ही पेट मशीनों की एफएलसी वर्कशॉप में हैण्डस-ऑन ट्रेनिंग भी दी जायेगी । एफएलसी वर्कशाप में जिन 21 जिलो के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा ईव्हीएम सुपरवाईजर शामिल होंगे, उनमें रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, जबलपुर, मण्डला, बालाघाट, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, सागर, टीकमगढ, निवाडी, पन्ना एवं दमोह जिले शामिल हैं।

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत शाखा- खुली निविदा

निविदा क्रमांकः जबल/एल/टी.नं./16/2023 मंडल रेल प्रबंधक(विद्युत) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है। निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएंगे इस ठेका के विरूद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और ऐसा प्राप्त मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा। **निविदा सूचना क्रमांक**- जबल/एल/टी नं./16/2023, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**- मोडिफिकेशन शीट संख्या आरडीएसओ/पीई/एमएस/ टीएल/0090(संशोधन-0) के अनुसार जेबीपी डिवीजन के 108 नग एलएचबी नॉन-एसी कोचों में एक नंबर अतिरिक्त एमपीसीबी के साथ पंप कंट्रोलर को अंडर गियर से अपर गियर में शिफ्ट करना। **निविदा का अनुमानित मूल्य**- 9,27,720.00, **निविदा फार्म की कीमत रूपये**- निल, **कार्यालय का पता**- वरि. मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर द्वितीय फ्लोर, डीआरएम बिल्डिंग, जबलपुर - 482001, **बयाना राशि रूपये**- 18600/-, **समापन अवधि (वर्ष)**- 120 दिन, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15:00 बजे तक)**- 07.06.2023, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15:30 बजे तक)**- 07.06.2023, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाईट https://ireps.gov.in उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) कार्यालय जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

कोरोना को है हराना, तो टीकाकरण जरूर कराना

Office of the Executive Engineer (Elect.)
Jabalpur Municipal Corporation (M.P.)
Notice Inviting E-Tender (2nd Call)

NIT No. : JMC/Light/2023-24/18/PRO/104 Date : 17.05.2023
Jabalpur Municipal Corporation invites tender for the "SITC of Decorative Designer Pole and post Top Lantern LED Fitting at Various Location in Jabalpur" Detail of tender's can be obtained/ download from our website - www.mptenders.gov.in

Executive Engineer (E.) J.M.C., Jabalpur (M.P.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)
// निविदा सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेत केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र. जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO-105	ग्रामपंचायत वार्ड अंतर्गत मंडी मदार टेकरी हलीम वाक्क मुस्लिम कब्रिस्तान मे नाले के किनारे वाउण्ड्रीवाल निर्माण।	04 माह	रु. 10000/-	16.06.2023
	17.05.2023		रु. 71.08 लाख	रु. 53,317/-	

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट https://mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री, लोककर्म विभाग, नगर निगम, जबलपुर

इश्तहार

माननीय न्यायालय मोहित कुमार पंचम अपर सत्र न्यायाधीश महोदय जबलपुर मप्र कोर्ट नंबर 49 के द्वारा वारंट निकाला गया है और आपको फरार घोषित करते हुए जिससे वह बचने के लिए अपने आप को छिपाते हुए फरार हो गया है ऐसी परिस्थिति में माननीय न्यायालय आपकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आपकी उद्घोषणा की है कि माननीय न्यायालय मोहित कुमार पंचम अपर सत्र न्यायधीश जबलपुर के कोर्ट नंबर 49 में आपके विरुद्ध दायर परिवाद का उत्तर देने के लिए उपस्थित होवें। उपस्थित नहीं होने की दशा में आपकी संपत्ति कुर्क की जावेगी आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आरोपी का नामः अजीज खान पिता बादल खान उम्र 32 साल निवासी सुब्बाशाह थाना हनुमानताल जिला जबलपुर।

अपराध क्रमांकः 031/08 (ST No-618/13) धारा 420, 467, 468, 471, 34 ताहि.
उपस्थिति दिनांक 18/5/2023
स्थानः कोर्ट नंबर 49 माननीय न्यायालय

श्री मोहित कुमार
पंचम अपर सत्र न्यायधीश जबलपुर मप्र

कार्यालय कार्यपालन अभियंता (नगर संभाग दक्षिण)
म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि., जबलपुर
कार्यालय का नाम- कार्यपालन अभियंता (नगर संभाग दक्षिण)
फोन नंबर 0761-266379 ई-मेल eecitysouthjbp@gmail.com

क्र.काअ/नसंद/क्रय/406 **बिजली आपूर्ति बंद रहने की सूचना** जबलपुर, दिनांक : 17.05.2023

शहर संभाग दक्षिण के अंतर्गत लाईनों के रखरखाव एवं लाईन शिफ्टिंग कार्य हेतु प्रातः 08.00 से 12.00 बजे तक निम्नलिखित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। सम्मानीय उपभोक्ताओं से सहयोग वांछनीय है।

क्र.	आपूर्ति बंद रहने का दिनांक/दिन	उपकेन्द्र/फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र	संबंधित अधिकारी का नाम
1	19.05.2023 शुक्रवार	11 के.व्ही. बजरिया-II	कृष्ण हाइट्स, आइडियल स्टेट, आइडियल हिल्स, आदर्श नगर, एवं सांई मंदिर के आसपास।	श्री मनोज वैद्य कनिष्ठ अभियंता 9425805986
2	20.05.2023 शनिवार	11 के.व्ही. बजरिया-I	इन्द्रपुरी, टैगोर नगर, पंचशील नगर, राजुल स्टेट, महादेव प्राइड एवं आसपास क्षेत्र।	
3	22.05.2023 सोमवार		SFRI टैगोर नगर, राज्य वन अनुसंधान कार्यालय एवं आसपास	
4	23.05.2023 मंगलवार		गली नं. 1 से गली नं. 5 तक, मेट्रोपॉलिस, साउथ एवेन्यू मॉल के आसपास का क्षेत्र बादशाह हलवाई मंदिर, मयूर कला मंदिर, भीमनगर एवं आसपास का क्षेत्र।	

नोट :- आवश्यकतानुसार समयावधि बढ़ाई/घटाई जा सकती है।
बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये 1912 डायल करें।

कार्यपालन अभियंता (नं.सं.द.),
म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि., जबलपुर

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरूनी चोट, मोच-सूजन, मांसपेशियों में खिंचाव-लचकना, पिंडलियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कमज्ञन, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक...
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत लाभदायक
मामजेसिक तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध
9826935091

अमर शहीद स्मृति मेला
• आधुनिक झूले
• खान-पान बोपाटी
• आर्ट और क्राफ्ट स्टॉल
प्रवेश द्वार-रानीताल चौक के सामने वाले गेट से
गोलबाजार मैदान, जबलपुर
प्रतिदिन सायं 5.30 से रात्रि 10.30 तक
आयोजक - महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

केला चिप्स | AK's | चना जोर गरम
रोस्टेड फूड जंक्शन ड्राई फूड
रोस्टेड चना | रोस्टेड पी नट | नमकीन | चिक्की | ड्राई फ्रूट
जनता साईकिल के बाजू में, बड़ी आमसरी चौक, जबलपुर
मोबा. 7987145201, 9993418910

हमारे प्रेरणास्त्रोत पत्रकार अरूण शुक्ला
आशीष कंसल्टेंसी
Email-ajayshukla2680@gmail.com
मो. 9425154156, 9826176903
नामांतरण, डायवर्सन, सीमांकन, बटवारा, वसीयतनामा इत्यादि
पता - आशीष ट्रांसपोर्ट बलदेव बाग जबलपुर

आदमी की पहचान परिधान से नहीं, जुबान से होती है। अगरजुबान पे घाव लग जाए तो 24 घंटे में ठीक हो जाता है पर जुबान से घाव लग जाए तो 24 वर्ष भी कम पड़ जाते हैं। शरीर में सबसे अच्छी चीज है जुबानऔर सबसे बुरी भी जुबान ही है। जुबान से कैंची की तरहरिश्ते काटें नहीं वरन सुई धागे की तरह जोड़ें। प्लीज मीठा बोलिए। कड़वा बोलने के लिए तरुणसागर ही बहुत हैं।

-मुनिश्री तरुण सागर

संपादकीय

महिलाओं को उचित विकल्प उपलब्ध कराना होगा

हाल के दशकों मे, भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या में काफी कमी आई है। विश्व बैंक के मुताबिक भारत में औपचारिक और अनौपचारिक कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी साल 2005 में 27 फीसदी थी, जो 2021 में घटकर 23 फीसदी रह गई। 2018 में हुए थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन के सर्वेक्षण के मुताबिक कार्यबल (वर्क फोर्स) में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामले में 131 देशों की सूची में भारत का 120वां स्थान था। स्पष्टतः भारत में कार्यक्षेत्र में महिलाओं की कमी के पीछे कई कारण हैं। इनमें बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी, शादी के बाद घर की देखभाल, कौशल की कमी, शैक्षणिक व्यवधान और नौकरियों की कमी शामिल हैं। महिलाओं को घर के बाहर जाकर काम नहीं करना चाहिए, जैसी मान्यताएं भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन के सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत महिलाओं के लिए सबसे खतरनाक देशों में से एक है- खासकर यौन हिंसा के जोखिम के मामले में। कार्यबल में महिलाओं की घटती संख्या पर अक्सर चिंता जताई जाती है, लेकिन इसका व्यावहारिक समाधान क्या है, इस पर कम ही बात होती है। इस समस्या का संबंध सामाजिक मान्यताओं के साथ-साथ अर्थव्यवस्था और उसके संकट से भी जुड़ा है। जब किसी कंपनी में श्रमिकों को निकालने की नौबत आती है, तो सबसे पहले महिलाओं को बाहर किया जाता है। चूंकि महिलाओं को लैंगिक असमानता और पितृसत्तात्मक समाज के दोहरे भेदभाव का सामना करना पड़ता है, और अब सरकार ने भी महिलाओं के कार्यस्थलों पर अनुकूल स्थितियां बनाने से ध्यान हटा लिया है, इसलिए यह समस्या गहराती जा रही है। जरूरत उन महिलाओं पर ध्यान देने की है, जो घर की चाहरदीवारी में बंद नहीं रहना चाहतीं और बाहर काम करने के मौके की तलाश में रहती हैं। साथ ही उन महिलाओं को उचित विकल्प उपलब्ध कराना होगा, जो नौकरी जाने के बाद दोबारा काम पर लौटना चाहती हैं। लेकिन यह सब एक नियोजित और ऐसी अर्थव्यवस्था में ही हो सकता है, जहां नीतियां बनाने में सरकार अपनी भूमिका समझती हो। दुर्भाग्य से भारत में अभी सोच ठीक इसके उलटी दिशा में है।

उच्च रक्तचाप को न करें अनदेखा

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या आजकल एक कॉमन समस्या बन चुकी है। हाई ब्लड प्रेशर का ही दूसरा नाम हाइपरटेंशन या उच्चरक्तचाप है। इसे मेडिकल भाषा में हाइपरटेंशन कहा जाता है। नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक, हर आठ भारतीयों में से एक हाइपरटेंशन की समस्या से जूझ रहा है, ये एक ऐसी परेशानी है जो व्यक्ति की जान तक ले सकती है। इसे साइलेंट किलर के तौर पर भी जाना जाता है। इस जानलेवा समस्या के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए हर साल 17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य लोगों के बीच हाइपरटेंशन के जोखिम और इसकी रोकथाम को लेकर जागरूकता फैलाना है, ताकि भविष्य में इस समस्या और इसके कारण होने वाली अन्य समस्याओं से बचा जा सके।

हम अपने खानपान और दिनचर्या, सामान्य व्यायाम वगैरह का ध्यान रखें, तो उच्च रक्तचाप की समस्या पर खुद काबू पा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'फिटनेस इंडिया अभियान' चलाया, जो स्वास्थ्य के मामले में बेहतर व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के निर्माण की उम्मीद जगाता है और हाइपरटेंशन या उच्चरक्तचाप से निजात दिला सकता है। मोदी ने फिटनेस को स्वस्थ और समृद्ध जीवन की जरूरी शर्त बताया। हालांकि भारत की संस्कृति में स्वास्थ्य को ठीक रखने की प्रेरणा प्राचीन समय से दी जाती रही है। कहावत ही है कि पहला सुख निरोगी काया। पर जैसे-जैसे विकास और जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ती गई, लोग इसके महत्व को भूलते गए या फिर कुछ व्यस्तताओं के चलते अपेक्षित ध्यान नहीं दे पाते। भारत की उस प्राचीन परंपरा को मोदी ने जीवंतता देकर जीने को नया अंदाज दिया है, क्योंकि लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधान करना आज बड़ी जरूरत बन गई है।

वर्ष 2023 का विश्व उच्च रक्तचाप दिवस की थीम 'अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें, लंबे समय तक जीवित रहें' है जो उच्च रक्तचाप की कम जागरूकता दरों से निपटने के प्रयासों पर केंद्रित है। गलत खानपान के चलते व गलत आदतों के कारण हाइपरटेंशन की समस्या लोगों को होने लगती है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य यह है कि लोगों को हाई ब्लड प्रेशर के खतरों के बारे में बताया जाए और इसे कंट्रोल करने व ठीक करने के तरीकों के बारे में जागरूक किया जाए। उच्च रक्तचाप से ग्रस्त संकट तब होता है जब रक्तचाप में अचानक वृद्धि होती है, संभावित रूप से अंग क्षति हो सकती है। उदाहरण के लिए, जब रक्तचाप बहुत अधिक हो जाता है तो किसी को दिल की विफलता, गुर्दे की विफलता या स्ट्रोक का खतरा होता है। उच्च रक्तचाप से ग्रस्त संकट के लक्षण सांस फूलना, सीने में दर्द, चेतना में परिवर्तन, बार-बार उल्टी, गंभीर सिरदर्द और आक्षेप हो सकते हैं।

हमारे शरीर में मौजूद रक्त नसों में लगातार दौड़ता रहता है और इसी रक्त के माध्यम से शरीर के सभी अंगों तक ऊर्जा और पोषण के लिए जरूरी ऑक्सीजन, ग्लूकोज, विटामिन्स, मिनरल्स आदि पहुंचते हैं। ब्लड प्रेशर उस दबाव को कहते हैं, जो रक्त प्रवाह की वजह से नसों की दीवारों पर पड़ता है। आमतौर पर यह ब्लड प्रेशर इस बात पर निर्भर करता है कि हृदय कितनी गति से रक्त को पंप कर रहा है और रक्त को नसों में प्रवाहित होने में कितने अवरोधों का सामना करना प? रहा है। हाइपरटेंशन एक ऐसी बीमारी है जिसमें धीरे-धीरे आपका हृदय, किडनी व शरीर के दूसरे अंग काम करना बंद कर सकते हैं। हाइपरटेंशन एक साइलेंट किलर है। हाइपरटेंशन कई कारणों से होता है, जिनमें से कुछ कारण शारीरिक और कुछ मानसिक होते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि भारत में हर आठ में से एक व्यक्ति उच्च रक्तचाप से पीड़ित है। जिसका उद्देश्य उच्च रक्तचाप के बारे में जागरूकता पैदा करना और लोगों को जीवनशैली की बीमारी के खिलाफ निवारक उपाय करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

हाई ब्लडप्रेशर या हाईपरटेंशन का खतरा महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में होता है। इसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं जैसे- फैमिली हिस्ट्री, तनाव, गलत खानपान और लाइफ स्टाइल आदि। लेकिन इससे बचने के लिए न केवल डाइट और लाइफ स्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि तनाव को कम करना और शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी है। आजकल 18 साल से 50 वर्ष के लोग हाइपरटेंशन के अधिक शिकार हैं। हालांकि साठ साल की उम्र से पहले पुरुषों में उच्च रक्तचाप का खतरा ज्यादा रहता है, पर बाद में स्त्री-पुरुष दोनों में ही खतरे की आशंका बराबर होती है। रोजमर्रा की जिंदगी में हमें तमाम तरह की मीठी-कड़वी बातों से दो-चार होना पड़ता है। ऐसे में गुस्सा आना स्वाभाविक है। लेकिन गुस्सा अगर लत का रूप ले लें तो इस पर विचार करना जरूरी है। बात-बात पर गुस्सा करने से हमारी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लेकिन जब यह भावना व्यवहार और आदत में बदल जाती है, तो आप के साथ-साथ दूसरों पर इसका गंभीर असर पड़ने लगता है। इसके लिए जरूरी यह है कि अपने गुस्से की सही वजह को पहचाना जाए और उन पर नियंत्रण रखा जाए। जिस व्यक्ति को गुस्सा ज्यादा आता है, उनमें ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन, गंभीर रूप से पीठ में दर्द की शिकायत देखी गई है। इसके साथ ही ऐसे लोगों को पेट की शिकायत भी हो सकती है।

उच्च रक्तचाप ज्यादातर लोगों में इसका कोई बाहरी लक्षण और इसका प्रभाव देखने को नहीं मिलता। नियमित सिरदर्द, सांस की तकलीफ, चक्कर आना, त्वचा का फड़कना और प्रतिकूल स्थितियों में नाक बहना कुछ ऐसे मामूली लक्षण हैं, जिन पर आदतन ध्यान नहीं दिया जाता और ऐसे यह अनियंत्रित और अनुपचारित रह जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित आधे से अधिक व्यक्ति इससे अनजान हैं। यदि आपको हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है, तो जाहिर है कि आप हर रोज हाई बीपी की दवा लेते होंगे। एक बार जब दवा लेना शुरू कर दी, तो जीवनभर इससे पीछा नहीं छूटता। हर रोज समय पर दवा लेना वास्तव में एक टेंशन है।

नियमित व्यायाम, योगासन, सकारात्मक सोच, संतुलित एवं सात्विक खानपाप आदि से शरीर में पैदा हुई रक्तप्रवाह के अनियमितता एवं अस्तव्यस्तता को आसानी से दुरूस्त किया जा सकता है। इसके अलावा जो भी लोग शराब या धूम्रपान करते हैं। उन सभी लोगों को इस तरह के नशीले पदार्थों से बचना चाहिए। उच्च रक्तचाप से बचने के लिए हरी सब्जियों व मौसमी फलों का सेवन करें। नमक व तैलीय खाद्य सामग्री का सेवन कम करें। अगर आपकी आयु 40 साल से अधिक है तो वर्ष में दो बार रक्तचाप चेक जरूर कराएं। दवा के साथ डाइट चार्ट पर अमल करें।

विचारों का हाइपरटेंशन या उच्चरक्तचाप पर बहुत गहरा प्रभाव होता है, अतः स्वस्थ जीवन एवं संतुलित रक्तचाप के लिए सकारात्मक विचारों का विकास जरूरी है। आज हर आदमी सुख की खोज में खड़ा है और उस थके हारे इंसान के लिये महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ कहते हैं कि आदमी शरीर को ज्यादा संभालता है, मन को कम। समझदार आदमी इसका उल्टा करेगा। वह शरीर पर अगर तीस प्रतिशत ध्यान देगा तो मन पर सत्तर प्रतिशत। आखिर शरीर का संचालक मन ही तो है। अगर वह स्वस्थ नहीं तो शरीर कैसे स्वस्थ रहेगा?' इसलिये मन की शुद्धि एवं स्वस्थता जरूरी है। हमें विचारों की स्वस्थता और संतुलन पर भी विशेष ध्यान देना होगा। आज 'फेथ-हीलिंग' की चर्चा ज्यादा है, जिसे आस्था और भावना द्वारा चिकित्सा का ही एक रूप कह सकते हैं। भौतिक चिकित्सा का उपयोग करते हुए भी हमें इस आध्यात्मिक चिकित्सा का प्रयोग करना चाहिए।

(ललित गर्ग)

कर्नाटक की जीत से उत्साह में मप्र कांग्रेस

फिलहाल कर्नाटक में कांग्रेस की षानदार जीत से मप्र में कांग्रेस में ऊर्जा का संचार हुआ है, वहीं भाजपा सकते में है। इसका सबसे बड़ा कारण कर्नाटक में बजरंग दल के प्रतिबंध का कार्ड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेले जाने के बावजूद भी नहीं चला और कांग्रेस 136 सीटें जीतकर स्पश्ट बहुमत ले आई। जबकि भाजपा 66 पर सिमटकर रह गई। अर्थात भाजपा ने मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत का जो कार्ड खेलकर कमलनाथ सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था, वैसा कोई खेल, खेले जाने की संभावनाएं दूर-दूर तक नहीं हैं। गोया, कांग्रेस जीती तो कर्नाटक में हैं, लेकिन बदलाव का प्रखर प्रभाव मध्यप्रदेश में दिखाई देने लगा। क्योंकि यहां की राजनीति में ज्यादातर हालात वैसे ही है, जैसे कर्नाटक में रहे है। इसलिए भाजपा हलाकान है।

मप्र में जनता जहां सत्ता विरोधी रुझान के चलते कांग्रेस के पक्ष में जाती दिख रही है, वही शिथिल प्रशासन और खुले भ्रष्टाचार ने मतदाता को तो भाजपा से दूरी बनाने को विवश किया है, वहीं कार्यकर्ताओं की नाराजी भी संगठन के पदाधिकारी दूर करने में नाकाम दिखाई दे रहे है, यही वजह है कि भाजपा और संघ ने वर्तमान विधायकों और सरकार की स्थिति के बारे में जो भी सर्वे और मतदाता की मंषा के आकलन कराए हैं, वे सब उसके विरुद्ध जा रहे है। चालीस विधायकों की तो यह स्थिति है कि वे किसी भी हाल में जीतने की स्थिति में नहीं हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या उन विधायकों की है, जो सिंधिया के साथ अपनी मातृ संस्था कांग्रेस को दगा देकर सत्ता सुख के लिए भाजपा में शामिल हुए थे। इनमें से ज्यादातर विधायक प्रदेश सरकार में मंत्री और निगम या किसी मंडल के अध्यक्ष हैं। ग्वालियर-अंचल में यही वे सत्ताधारी हैं, जिनके हाथ पत्थर और रेत की खदानें हैं और वे उनका निर्दयता से दोहन कर रहे हैं। इन सच्चाइयों की जानकारी शिवराज से लेकर सिंधिया तक को है, लेकिन अंकुश लगाने को कोई आगे नहीं आया। नतीजतन अब इन विधायकों को टिकट मिलते हैं, तो इनकी हार तो निष्चित है ही, उन प्रत्याषियों को भी इनके दुश्प्रभाव का नतीजा भुगतना पड़ सकता है, जो ठेठ संघ और भाजपा से जु? हुए है। अब देरी इतनी हो चुकी है कि यदि भाजपा ने सर्वे के पैमाने को टिकट वितरण का आधार बनाया तो भी नुकसान की भरपाई करना मुष्किल है, इसीलिए भाजपा कार्यकर्ताओं की बेचैनी उन सब विधानसभा क्षेत्रों में प्रकट होने लगी है, जहां-जहां कांग्रेस से दल-बदल करके आए नेता उपचुनाव जीत कर सत्ता के हाथी पर बैठकर गुरूर में हैं।इधर आम आदमी पार्टी भी भाजपा की बेचैनी बढ़ा रही है। षिवपुरी विधानसभा क्षेत्र में खासतौर से वैष्य समाज महल के विरोध में दिखाई नहीं देता था, किंतु अब षिवपुरी विधायक और सरकार में कैबिनेट मंत्री यषोधरा राजे सिंधिया के विरुद्ध यही समाज सबसे ज्यादा मुखर हो रहा है। बीते पखवाड़े वैश्य समाज के एक बड़े कार्यक्रम में सिंगरौली से आप पार्टी की महापौर रानी अग्रवाल को शिवपुरी सामाजिक कार्यक्रम के बहाने आमंत्रित किया गया और लाल कोठी विवाह घर में कार्यक्रम संपन्न हुआ। रानी अग्रवाल ने यहां खुली राजनीति की और पत्रकारों से बातचीत में सरकार पर कटाक्ष करते हुए सभी 230 सीटों पर आप के प्रत्याशी उतारने की बात कही। इस चुनौती के बावजूद भाजपा के मंत्री और नेता साधु-संतो के प्रवचन कराकर मतदाताओं को साधने का भ्रम पाले हुए हैं। इन आयोजनों में करोड़ो रुपए खर्च कर नेताओं ने अपने भ्रश्टाचार को धर्म के आवरण से ढांकने की कोशिशें कीं। करैरा में साध्वी ऋतंभरा तो पिछोर में जया किशोरी को बुलाया गया। देवकीनंदन ठाकुर इस समय पिछोर में कथा कह रहे हैं। इधर गुना में बाधेश्वर धाम उर्फ धीरेंद्र कुमार शास्त्री भी बीते सप्ताह जनता को धर्म बनाम भाजपा का पाठ पढ़ाकर चले गए। लेकिन इन प्रवचन कर्ताओं की वाणी भाजपा के पक्ष में वोट डालने पाएगी यह कहना जल्दबाजी होगी। बीच के 15 माह छोड़कर करीब 20 साल से भाजपा सत्तारुढ़ है। मतदाता ने भाजपा को लेकर सत्ता विरोधी रुझान तो 2018 में जता दिया था, लेकिन सिंधिया की बगावत से षिवराज को फिर सत्ता नसीब हो गई। लेकिन बीते तीन सालों में उन्होंने और उनके मंत्री व विधायकों ने सरकारी कार्यक्रमों को दल के आयोजनों में तब्दील कर उत्सवधार्मिता का जो खेल खेला, वह अब पार्टी के लिए मुष्किल बनता दिखाई दे रहा है, लिहाजा भाजपा के आंतरिक सर्वेक्षणों के मुताबिक स्थानीय से लेकर शीर्ष स्तर तक जिन चेहरों को लेकर प्रतिपुष्टि (फीडबैक) नकारात्मक है, उन्हें बदलने का दबाव संगठन पर बना हुआ है। लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज से कहीं ज्यादा कार्यकर्ता पार्टी अध्यक्ष वीडी शर्मा से खफा है। लिहाजा कर्नाटक के चुनाव परिणामों के बाद षर्मा कोई कठोर निर्णय ले पाएं यह तो मुश्किल है, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व चेहरे बदलने का सख्त निर्णय ले सकता है। हालांकि कर्नाटक में चुनाव से पहले केंद्रीय नेतृत्व में कठोर फैसला लिया था, लेकिन परिणाम शून्य रहे। दरअसल निर्णय लेने में बहुत देरी हो चुकी थी। हालांकि मध्यप्रदेश की तरह कर्नाटक में भी भाजपा दलबदल के जरिए सत्ता में आई थी। इसी नक्शे कदम पर उसने महाराष्ट्र में शिवसेना की उद्धव ठाकरे सरकार को बेदखल किया हुआ है। दल बदल की इन सामानताओं के चलते भाजपा की मनमानी तो सामने आई ही, दूसरे दलों के नेताओं की दादागिरी भी मूल भाजपाईयों को झेलनी पड़ रही है। यह स्थिति नाराजगी का बड़ा कारण बनी हुई है। संगठन ने इस नाराजी को दूर करने के लिए 14 बड़े नेताओं को प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर नाराजी दूर करने की रणनीति बनाई है, लेकिन मुश्किल है कि इन नेताओं में सिंधिया सहित उनके समर्थक वे मंत्री भी हैं, जो नाराजी का बुनियादी कारण है। ऐसे विरोधाभास के चलते नाराजी कैसे दूर होगी यह कहना फिलहाल मुश्किल है ?

प्रमोद भार्गव

आपका राशिफल 19 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली - 6166

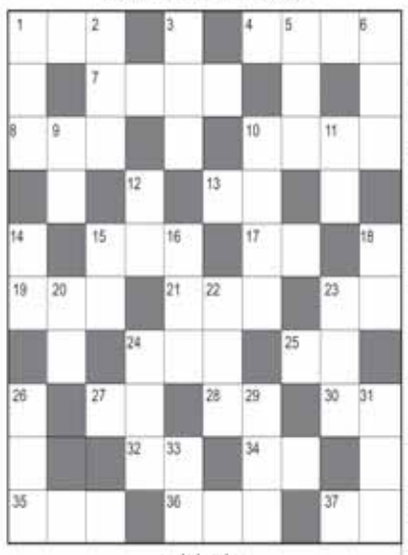

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नैनों को' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी स्मृता की फिल्म-३
५. 'मैया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बाबद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'शोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'सीना हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पीड डैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गाली मुस्कुराती' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीम' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा गहना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजेश, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरी हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6165

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6680

✱✲✲✲✲ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6679 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

स्मार्टफोन का ज्यादा इस्तेमाल नहीं है खतरे से खाली, जा सकती है आपकी आंखों की रोशनी

आज के समय में छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग तक सभी मोबाइल के आदी हो चुके हैं। सुबह आंख खुलने से लेकर रात को आंख बंद करने तक ज्यादातर हमारा समय मोबाइल की स्क्रीन को देखने में ही बीतता जा रहा है। जिस वजह से आंखों की रोशनी पर बुरा असर पड़ रहा है। मोबाइल फोन से निकलने वाली घातक नीली रोशनी आंखों की रोशनी को धुंधला कर रही है। सामान्य रूप से प्रति मिनट 12 से 14 बार हम आंखें झपकतें हैं, लेकिन मोबाइल स्क्रीन पर लगातार देखते रहने पर हम सिर्फ 6 से 7 बार ही आंखें झपकते हैं। जिसके कारण आंखों में सूखापन बढ़ता है और वह कमजोर होती हैं। जिससे कई प्रकार की समस्याएं होती है जैसे-

आंखों का पानी का सूखना

लगातार मोबाइल स्क्रीन पर देखते रहने से हमारी आंखो में बहुत ज्यादा ज़ोर पड़ता है जिसके वजह से आंखों का पानी सूख जाता है। जिससे आंखों में खुजली और जलन होने लगती है। ऐसा लगातार करने से आंखों की अश्रु ग्रंथि पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा आंखों की पुतलियां और नसें भी सिकुड़ने लगती है। जो सिरदर्द की समस्या का भी कारण बनता है।

धुंधला दिखाई देना

देर रात तक फोन का इस्तेमाल करते रहने से चीजों का धुंधला दिखना आम समस्या हो गयी है। देर रात तक मोबाइल इस्तेमाल करने से स्क्रीन की रोशनी सीधे हमारी आंखों पर पड़ती है।

रेटिना पर घातक अटैक

फोन से निकलने वाली रोशनी आंख के रेटिना पर असर करती हैं। इससे आंखें जल्दी खराब होने लगती है और देखने की क्षमता भी धीरे-धीरे घटने लगती है।

आंखों का लाल होना

लगातार स्क्रीन पर देखते रहने से आंखों का सफेद भाग लाल पड़ जाता है। आई ड्रॉप डालने पर भी ये समस्या कम नहीं होती। लाल होने के साथ ही आंखें सूजी हुई भी लगती हैं।

छोटी उम्र में ही चश्मा लगना

छोटी उम्र में ही बच्चों की आंखों की रोशनी कमजोर होने लगी है। इन दिनों यह समस्या काफी ज्यादा देखने को मिल रही है। जिसकी एक वजह लंबे वक्त तक मोबाइल चलाना या कंप्यूटर पर काम करना है।

मोबाइल फोन से आंखों को होने वाले नुकसान से ऐसे बचें

मोबाइल को रखें आंखों से दूर

मोबाइल को आंखों से जितना दूर रख सके रखें इससे कुछ हद तक आंखों को सुरक्षित रखा जा सकता हैं। जब भी मोबाइल इस्तेमाल करें इस बात का जरूर ध्यान रखें कि मोबाइल फोन आंखों के एकदम पास में न हो।

क्लासीफाइड

प्लाट एवं मकान उपलब्ध

शहर के मध्य अधारताल अमखेरा में धनी की कुटिया से मात्र 2 किमी अंदर सुशीला परिसर में टीएनसीपी रे

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा निवार्चन आयोग

भोपाल में 20 मई को होगी एफएलसी कार्यशाला

भोपाल, यशभारत। प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी है। इसके तहत 20 मई को भोपाल में ईवीएम, वीवीपैट मशीनों की एफएलसी कार्यशाला आयोजित की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस कार्यशाला में केंद्रीय निर्वाचन आयोग से आए प्रशिक्षकों द्वारा मशीनों के बारे में जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि एफएलसी (फर्स्ट लेबल चेकिंग) कार्यशाला में 31 जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी शामिल होंगे।

भोपाल में होने वाली कार्यशाला में केंद्रीय निर्वाचन आयोग के सचिव मुधसूदन गुप्ता, अनुभाग अधिकारी शिवम अरोरा, ईवीएम नोडल असम ईमली बरूआ, ईवीएम नोडल पश्चिम बंगाल सुमंता राय, ईवीएम नोडल पंजाब विपुल उज्ज्वल शामिल होंगे। यह कार्यशाला भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कवेंशन सेंटर हाल में आयोजित की जाएगी।

कार्यशाला में अधिकारियों को मशीनों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा, जिससे मतदान के समय किसी तरह की कोई समस्या न आए। अधिकारी प्रशिक्षण लेने के बाद अपने अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों को मशीन के बारे में बताएंगे। जिससे चुनाव के समय मशीनों का सही से उपयोग किया जा सके।

मतदाता सूची में जोड़े जा रहे हैं नाम

इधर विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर निर्वाचन शाखा भोपाल द्वारा मतदाता सूची अपडेशन का काम अभियान के तहत किया जा रहा है। वहीं वोटर आइडी से आधार लिंक करने का कार्य भी किया जा रहा है। अभियान के तहत मतदाता सूची में 18 साल की उम्र पूरी कर चुके युवा मतदाओं के नाम विशेष रूप से जोड़े जा रहे हैं। वहीं जो मतदाता जिले में नहीं हैं, उनके नाम सूची से हटाए जा रहे हैं। विधानसभावार क्षेत्रों में हर मतदाता का वोटर आइडी कार्ड आधार से जोड़ा जा रहा है। बता दें कि जिले में 20 लाख 1050 मतदाता हैं।

टपरे में परोसी जा रही थी शराब, रहवासियों की शिकायत के बाद प्रशासन ने चलाया हथौड़ा

■ भोपाल, यशभारत।

कटारा हिल्स क्षेत्र में एक बीयर बार संचालक द्वारा हट (टपरे) बनाकर लोगों को शराब परोसी जा रही थी। इसकी शिकायत यहां रजत गोल्डन नेस्ट के रहवासियों ने मानवाधिकार आयोग, पुलिस आयुक्त, कलेक्टर से लिखित में की थी। इस मुद्दे को नवदुनिया ने प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद बुधवार को जिला प्रशासन, नगर निगम की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए टपरों को तुड़वा दिया है। रहवासियों का कहना था कि यह टपरे सरकारी जमीन पर बने हुए हैं और शराब पीने वालों ने उनके लिए परेशानियां खढ़ी कर दी है। जबकि बार संचालक और प्रशासन के अधिकारी कह रहे थे कि हट (टपरे) निजी भूमि पर बनाए गए हैं।

कलेक्टर ने कहा, नहीं पनपने दी जाएंगी अवैध गतिविधियां

कलेक्टर आशीष ने कहा कि शहर में किसी तरह की कोई भी अवैध गतिविधियां नहीं पनपने दी जाएंगी। यदि कोई शराब दुकान ठेकेदार , होटल, बार संचालक इस तरह से खुलेआम हट बनाकर, अड्डा बनाकर शराब परोसता है तो इन पर प्रशासन का हथौड़ा तो चलेगा। इसके साथ ही संचालक पर भी कानूनी कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

रहवासियों का आरोप, सरकारी जमीन पर बनाए गए थे

रजत गोल्डन नेस्ट कटारा हिल्स के रहवासी लालचंद वर्मा, राजकुमार सहित अन्य रहवासियों ने कलेक्टर आशीष सिंह से शिकायत करते हुए आरोप लगाया था कि रजत गोल्डन नेस्ट कालोनी के मुख्य द्वार के नजदीक ही डेढ़ महीने पहले से बीयर बार का संचालन किया जा रहा है। यहां संचालक ने बार के सामने खाली पड़ी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर हट (छोटी-छोटी झोपड़ी) बनाई हैं, जिनमें यहां आने वाले लोग बैठकर शराब पीते हैं। इस वजह से शाम के बाद कालोनी की महिलाओं और बच्चों का बाहर आना-जाना मुश्किल हो जाता है। यहां पर नशे में धुत लोग जमकर उत्पात करते हैं, इस वजह से रजत गोल्डन नेस्ट सहित स्प्रिंग वैली, प्रेम केसर, गोल्ड विला आदि कालोनी के रहवासियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शराब ठेकेदार ने नहर पर किया कब्जा, बनाया दूसरा काउंटर

■ भोपाल, यशभारत।

शहर के बागसेवनिया क्षेत्र में एक शराब ठेकेदार ने नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए दुकान के पीछे से दूसरा काउंटर बना लिया है। उसने इसे सीधे मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए यहां से गुजरी नहर पर कब्जा कर लिया है। इसके बाद भी आबकारी विभाग और नगर निगम द्वारा किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

जानकारी के अनुसार शिवहरे शराब कारोबारी द्वारा यहां दुकान से शराब बेची जाती है। पिछले कई सालों से दुकान का काउंटर बागसेवनिया से कटारा हिल्स जाने वाली सड़क की तरफ है, लेकिन अब शराब ठेकेदार दुकान का काउंटर पीछे नहर किनारे की सड़क पर करने की तैयारी में है। इसके लिए उसने नहर पर लोहे की जाली, फर्शी और बजरी डालकर मजबूत रास्ता बना दिया है। नहर में किसी तरह का कोई हादसा न हो इसके लिए बैरियर लगाए गए थे, लेकिन ठेकेदार ने बैरियर को काटकर सीधे सड़क से जोड़ने की तैयारी कर ली है। इस तरह वह सीधे पिछले काउंटर से भी शराब बेच सकेगा, जो कि नियम विरूद्ध है।

रहवासियों को होगी परेशानी

दूसरा काउंटर बनने से दुकान के इस तरफ भी बड़ी संख्या में लोग शराब खरीदने पहुंचेंगे। इससे यहां फार्च्यून डिलाइट, एसबीडी होम्स, कुंजन नगर कालोनियों के हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। रहवासियों ने आबकारी विभाग से मांग की है कि यह काउंटर बंद किया जाना चाहिए। यदि यह शुरू होता है तो न सिर्फ अपराध बढ़ेंगे, बल्कि जनता को भी काफी परेशानी होगी।

इनका कहना है

शराब ठेकेदार द्वारा दुकान में दूसरा काउंटर बनाया जा रहा है, इसकी जानकारी मुझे मिली है। जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए इसे बंद कराया जाएगा।

– दीपम रायचूरा, सहायक आबकारी आयुक्त

मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना योजना के लिए 6400 आपत्तियां, 31 मई को अंतिम सूची जारी होगी

■ भोपाल, यशभारत।

लाड़ली बहना योजना में पात्रता को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग को छह हजार चार सौ आपत्तियां आनलाइन प्राप्त हुई हैं। आपत्तियों की संख्या बढ़ भी सकती है, क्योंकि लोगों ने जिलों में आफलाइन भी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। इनमें से अधिकांश शिकायतें पात्रता नहीं होते हुए भी आवेदन करने की हैं। हालांकि इनमें प्रमाण नहीं दिए गए हैं। 31 मई तक आपत्तियों का परीक्षण किया जाएगा और उसी दिन पात्र हितग्राहियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। सरकार 10 जून को महिलाओं के बैंक खाते में योजना के एक हजार रुपये जमा कराएगी। प्रदेश में 25 मार्च से योजना के आवेदन भरने शुरू हुए और 30 अप्रैल तक एक करोड़ 25 लाख 33 हजार 145 आवेदन जमा कराए गए हैं। पात्रता को लेकर लोगों को एक से 15 मई तक आपत्तियां दर्ज कराने का समय दिया गया था। इस अवधि में छह हजार चार सौ आपत्तियां आनलाइन आई हैं, जबकि जिलों में आई आफलाइन शिकायतों को डाटा मांगा गया है। दोनों को मिलाकर आपत्तियों की संख्या 10 हजार के आसपास हो सकती है। मंगलवार से आपत्तियों का परीक्षण शुरू हो गया है, जिनकी सुनवाई कर 31 मई तक निराकरण कर दिया जाएगा। सरकार 10 जून को पहली बार महिलाओं के बैंक खातों में राशि जमा कराएगी। इसके बाद हर माह 10 तारीख को ही राशि खातों में पहुंचेगी।

युवा कौशल कमाई योजना को शिवराज कैबिनेट ने दी मंजूरी

जानिए युवाओ को कैसे और कबसे मिलेगा

■ भोपाल, यशभारत।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में सीएम आवास कार्यालय में हुई कैबिनेट की विशेष बैठक में मुख्यमंत्री युवा कौशल कमाई योजना को मंजूरी दी गई। इसमें युवाओं को आठ से लेकर दस हजार रुपये प्रति माह मिलेंगे। इस योजना के तहत सात जून से संस्थाओं में प्रवेश प्रारंभ होगा, जो 15 जून तक चलेगा। 31 जुलाई को युवाओं का संस्थाओं के साथ अनुबंध होगा और अगस्त से राशि मिलना प्रारंभ हो जाएगी। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बैठक के बाद कहा कि युवाओं के लिए आज का दिन एतिहासिक है। आइटीआइ, डिप्लोमाधारी, स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी युवा इस योजना के लिए पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी भत्ता समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। युवा सीखें और कमाएं, यह योजना का उद्देश्य है। कांग्रेस की कमल नाथ सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का झुनझुना पकड़ाया गया था, लेकिन किसी को भी नहीं मिला। नारी सम्मान योजना को लेकर उन्होंने कहा कि काठ की हांडी एक बार चढ़ती है। कमल नाथ जी लोगों को भ्रमित नहीं कर सकते हैं, वे उन्हें देख चुके हैं। नारी सम्मान योजना के लिए जो रथ चलाए जा रहे हैं, वे कुछ समय बाद खड़े मिलेंगे।

आरजीपीवी के छात्रावास में बवाल छात्रों से मारपीट का आरोप

■ भोपाल, यशभारत।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) परिसर में बने होस्टल में मंगलवार शाम को छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। झगड़े की सूचना मिलने पर गांधी नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन किसी भी पक्ष ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। इस बारे में विवि प्रशासन ने भी कोई जानकारी नहीं दी।जानकारी के मुताबिक आरजीपीवी में पिछले कुछ दिनों से छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद चल रहा है। मंगलवार को शाम के समय होस्टल में घुसकर कुछ छात्रों ने दूसरे गुट के छात्रों के साथ मारपीट कर दी। घटना की सूचना मिलने पर विवि के सुरक्षाकर्मी भी मौके पर पहुंच गए थे। डायल-100 पर सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। साथ ही विवि के अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर छात्रों को समझाइश दी।इस मामले में गांधी नगर थाना प्रभारी अरुण शर्मा का कहना है कि कालेज के प्रथम वर्ष और चतुर्थ वर्ष के छात्रों के बीच तनातनी चल रही है। मंगलवार को छात्रों के बीच झड़प होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन किसी भी पक्ष ने शिकायत नहीं की। विवि प्रबंधन की तरफ से भी कोई शिकायत नहीं की गई है। इस मामले में जानकारी लेने के लिए विवि के कुलपति और विवि के प्रवक्ता से फोन पर जानकारी लेना चाही, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

एनआइए ने भिंड और बड़वानी जिलों में की छापमार कार्रवाई

■ भोपाल, यशभारत।

खालिस्तान आंदोलनऔर आतंकवादी नेटवर्क का गठजोड़ पता करने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने बुधवार सुबह देश के छह राज्यों में 120 से ज?यादा ठिकानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए कुछ संदिग्धों को पकड़ा है। मध्य प्रदेश के भिंड और बड़वानी में भी जांच एजेंसी की टीम द्वारा कार्रवाई की है। भिंड में एंडोरी थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव में एनआइए की टीम ने दबिश दी और बड़वानी के सेंधवा कस्बे में भी छापामार कार्रवाई की। कुछ संदि?धों को पकड़ा है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

भिंड के शेरपुर गांव में हुई कार्रवाई

देश भर में पड़े छापे के क्रम में चंबल अंचल के भिंड में भी टीम द्वारा कार्रवाई की गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यहां एंडोरी थाना अंतर्गत शेरपुर गांव से संदिग्ध को उठाए जाने की खबर है। जतेन्द्र सिंह पुत्र नरेन्दर सिंह के यहां बैंक खातों में विदेशी मुद्रा का बड़ा लेनदेन होने के कारण एनआइए की टीम पूछताछ करने पहुंची थी। जबकि जतेन्द्र सिंह के पिता नरेन्दर सिंह प्राइवेट बस चालक के रूप में नौकरी करते हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो जतेन्द्र सिंह के पुत्र विदेश में रहते है और वहीं से खातों में मोटा लेन-देन हुआ है।

एनआइए ने बड़वानी में सेंधवा के उमरठी क्षेत्र में छापा मारा है। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोत के अनुसार फिलहाल सेंधवा क्षेत्र में एनआइए की जांच का पता चला है। उनकी सर्चिंग जारी है। जांच के बाद ही कुछ कह सकेंगे। गौरतलब है कि जिले में सिकलीगरों का गांव उमरठी अवैध हथियारों के निर्माण और इसकी तस्करी के लिए देशभर में कुख्यात है। एएसपी आरडी प्रजापति के अनुसार वैसे एनआइए जांच व कार्रवाई के बाद संबंधित थाना क्षेत्र को जानकारी देती हैं।

नरयावली से बीजेपी विधायक प्रदीप लारिया के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

■ भोपाल, यशभारत।

चक्काजाम और पथराव से जुड़े एक मामले में सागर के नरयावली से बीजेपी विधायक प्रदीप लारिया समेत सात लोगों के खिलाफ मई के पहले सप्ताह में गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। यह वारंट राजधानी की विशेष अदालत (एमपीएमएलए) के न्यायाधीश विधान माहेश्वरी की कोर्ट ने जारी किया है। जिन लोगों के खिलाफ वारंट जारी हुए हैं उनमें जयेश जैन, अभिषेक जैन, आकाश जैन, संजय संजीव जैन, मुकेश जैन, चक्रेश सिंघई शामिल हैं। न्यायालय में उपस्थित नहीं होने के कारण उक्त वारंट जारी किया है।अब इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 25 मई घोषित की गई है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2018 मे नरयावली विधानसभा क्षेत्र में आशीष जैन की हत्या के एक मामले में चक्काजाम और पथराव की घटना हुई थी। जिसमें प्रदीप लारिया व उक्त छह लोग शामिल हुए थे। विधायक समेत इन लोगों के खिलाफ उपद्रव करने व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

निर्माण कार्य ने पकड़ी गति

बैरागढ़ फ्लाइओवर बनने से स्टेशन रोड पर कम होगा ट्रैफिक लोड

■ भोपाल, यशभारत।

संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए जल्द ही दो मार्ग हो जाएंगे। यहां बन रहे फ्लाइओवर की डिजाइन में बदलाव के बाद सीटीओ एवं पटरी पार कालोनियों के रहवासी फाटक रोड से सीधे स्टेशन आ सकेंगे, इससे वर्तमान स्टेशन रोड पर ट्रैफिक लोड कम हो जाएगा।फ्लाइओवर का काम लोक निर्माण विभाग की सेतु शाखा कर रही है। फाटक रोड पर लंबे समय से इसके निर्माण की जरूरत महसूस की जा रही थी। करीब 800 मीटर लंबे आरओबी के लिए 27 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए हैं। 12 मीटर चौड़ाई पर बन रहे ब्रिज के लिए प्रारंभिक काम शुरू हो गया है। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यह काम नवंबर माह तक पूरा करने का लक्ष्य है। फाटक रोड के शुरूआती छोर से थ्री ईएमई सेंटर के सप्लाई डिपो तक इसका निर्माण होगा। फिलहाल मार्ग बंद कर दिया गया है। नागरिकों को बैरागढ़ कलां से घूमकर फाटक क्रास करना पड़ रहा है। हाल ही में विधायक रामेश्वर शर्मा की पहल पर लोक निर्माण विभाग ने इसकी डिजाइन में बदलाव किया है। इसका एक हिस्सा स्टेशन छोर पर उतारा जाएगा। सीटीओ, पूजाश्री नगर, कैंप नंबर 12, सत्यम कालोनी एवं देवलोक कालोनी सहित आसपास की एक दर्जन से अधिक कालोनियों के रहवासी सीधे स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। इस निर्णय से स्टेशन तक पहुंचने के वैकल्पिक मार्ग की कमी पूरी हो जाएगी। बैरागढ़ के वर्तमान स्टेशन रोड पर भी ट्रैफिक का दबाव कम होगा। सीटीओ तरफ जाने वाले वाहन नए मार्ग से निकल सकेंगे। नागरिकों को बैरागढ़ बाजार तक आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पटरी पार क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को दोहर सुविधा हो जाएगी। एक तो बार-बार जाम होने से हो रही दिक्कत समाप्त होगी। इसके अलावा स्टेशन तक आवाजाही आसान हो जाएगी।

फिल्म के कारण हमारे ठिकानों पर हुआ अटैक, मौत से बचने भागना भी पड़ा...

भोपाल ,यशभारत। मुझे फिल्मों के प्रति बचपन से ही लगाव था। मैंने इसके लिए अपनी पढ़ाई तक छोड़ी दी थी। बाद में माता-पिता के समझाने पर पढ़ाई शुरू की। मुंबई के नटराज गोपी कृष्णा कथक नृत्य अकादमी से कथक में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। यह कहना है अभिनेत्री अदा शर्मा का। वो और उनकी द केरला स्टोरी की टीम मंगलवार को भोपाल में थी। सबसे पहले यह टीम माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय पहुंची और विद्यार्थियों से संवाद किया। इसके बाद उनकी टीम ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ फिल्म भी देखी। अदा ने बताया कि शुरुआत में मेरा फिल्मी करियर आसान नहीं था। बालीवुड में जगह बनाने के लिए मैंने तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अदा ने द करेला स्टोरी के बारे में बताया कि इस फिल्म के लिए काफी मेहनत की है।

मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान और मंत्रियों ने देखी फिल्म द केरला स्टोरी

भोपाल यशभारत। आतंकवाद और लव जिहाद के घिनौने चेहरे को फिल्म द केरला स्टोरी उजागर करती है। हमारी बेटियों के वर्तमान और भविष्य को बर्बाद कर जिहाद की आग में झोंकने वालों के षडयंत्र को देख समने लगा है। इस अति महत्वपूर्ण विषय को समाज के सामने प्रस्तुत करने का साहसपूर्ण काम करने के लिए फिल्म से जुडी पूरी टीम को बधाई देता हूं। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कही।उन्होंने धर्मपत्नी साधना सिंह चौहान और मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ ड्राइव इन सिनेमा में फिल्म देखी। इस दौरान फिल्म की टीम भी उपस्थित थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फिल्म को सभी को देखना चाहिए। हमारी बेटियां झूठे प्रेम के जाल में फंसकर ऐसी दुनिया में पहुंच जाती हैं, जहां उनकी जिंदगी नरक बन जाती है। प्रदेश में फिल्म को टैक्स से छूट दी गई है। सिनेमाघर संचालकों को इस छूट की राशि की प्रतिपूर्ति सरकार करेगी। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर सौजन्य मुलाकात करने पहुंची फिल्म की टीम का अंगवस्त्रम भेंटकर अभिनंदन किया।

नल जल योजना से आ रहा गंदा पानी

भीषण जल संकट से जूझ रहे शंकर कॉलोनी के बाशिंदे

टैंकरों से हो रही जल आपूर्ति पीएचई अमला बेसुध

गोसलपुर, यशभारत। गर्मी प्रारंभ होते ही ग्राम पंचायत गोसलपुर के अंतर्गत शंकर कॉलोनी में हर घर-घर तक नल जल योजना के तहत पीने के पानी की जलापूर्ति करने वाली नल जल योजना का बोर फेल होने से गंदा पानी लोगों के घरों में पहुंच रहा था मजबूरी में लोगों को गंदा पानी पीना पढ़ रहा था जिस से लगातार कॉलोनी में टाइफाइड पीलिया के मरीजों की संख्या बढ़ रही थी समस्या के निदान हेतु कॉलोनी वासियों द्वारा तहसील के अधिकारियों व पीएचई विभाग का ध्यान आकर्षित कराया गया परंतु मानव की आवश्यक जरूरत को नजरअंदाज कर दिया गया लोगों की पीड़ा को समझते हुए प्रतिष्ठित खनिज व्यवसाई नीरज श्रीवास्तव के द्वारा एवं ग्राम के सरपंच गिरजा जितेंद्र पालीवाल के सकारात्मक प्रयास से पिछले एक महीने से तीन टैंकरों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग दस टैंकर पीने का

पानी लोगों के घर घर तक पहुंचाया जा रहा है लोगो ने बताया की नही तो ऐसी भीषण गर्मी में कॉलोनी के लोगों को पीने का पानी भी नसीब न होता जल संकट की समस्या के संबंध में अनेकों मर्तबा पीएचई के अधिकारियों को बताया गया परंतु अधिकारियों की कनबहरी के चलते आम जनमानस की इस गंभीर समस्या के लिए कोई भी ठोस उपाय नहीं किए गए भले हीइस साल की गर्मी में नल जल योजना के सभी बोर सूख गये लोगों के घरों में स्थित ट्यूबवेल सूख गए हैं परंतु जल आपूर्ति मामले में ग्राम के गोविंद सिंह ठाकुर नीरज पालीवाल जितेंद्र पालीवाल जयोति श्रीवासतव पंच उमा साहू नरेश पटेल राहुल जैन अमित सिंह परिहार संध्या पवन वर्मन महेश दाहिया की टीम दिन रात मेहनत कर लोगो को पीने का पानी उपलब्ध करा रहे हैइस टीम की कालोनी के वांशिदे मुक्त कंठ से तारीफ कर रहे है।

मित्रता श्री कृष्ण और सुदामा जी की तरह होनी चाहिए: मोहित जी महाराज

बेलखाड़ू, यशभारत। बेलखाड़ू के समिपी ग्राम काकरखेड़ा में स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा में भागवत

कथा के सातवें दिन बुधवार को कथा वाचक पंडित मोहित जी महाराज ने सुदामा चरित्र का प्रसंग का वर्णन किया। सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि संसार में मित्रता श्री कृष्ण और सुदामा की तरह होनी चाहिए।सुदामा चरित्र की कथा का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। बताया कि भागवत कथा सुनने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है। कथा सुनने आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। आयोजकों ने बताया कि भागवत कथा के समापन पर आज हवन एवं भंडारा का आयोजन होगा कथा में ग्राम सहित आसपास के ग्रामों के श्रद्धालु भक्तजनों ने पहुंचकर भागवत कथा श्रवण की ।

लंबे इंतजार के बाद मिल रहा पेट्रोल डीजल

ग्राहक हो रहे परेशान अधिकारी बने मूकदर्शक

पंप संचालक उड़ा रहे नियमों की धज्जियां

गोसलपुर , यशभारत। सिहोरा तहसील के गोसलपुर क्षेत्र के आसपास लगभग आधा दर्जन पेट्रोल पंप हाईवे किनारे ग्रामीण सड़कों के किनारे संचालित हैं यह परभारत पैट्रोलियम हिंदुस्तान पैट्रोलियम इंडियन आयल कारपोरेशन पेट्रोलियम कंपनियों के पेट्रोल पंप स्थापित हैं जहां पर पंप संचालकों द्वारा नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं ज्ञात हो की सुबह शाम के वक्त पेट्रोल पंप में जब ग्राहकों की पेट्रोल डीजल डलवाने हेतु भीड लगती है तब इन पंपों में सिर्फ एक पेट्रोल डीजल बिक्री पॉइंट से वाहन चालकों की गाड़ियों में पेट्रोल डीजल डाला जाता है जिससे पंप प्रांगण में लंबी भीड़ लग जाती है वाहनों की कतारें देखकर ऐसा लगता है जैसे जाम के हालात निर्मित हो गये होग्राहकों को लंबा इंतजार करने के बाद पेट्रोल-डीजल नसीब होता है ग्राम के गोविंद सिंह राजपूत मनोज श्रीवास रामकिशोर विश्वकर्मा नरेंद्र दुबे गनपत सिंह चौहान हेमचंद असाटी पुरुषोत्तम असाटी शैलेंद्र नायक प्रदीप दुबे ने बताया की अनेकों बार पेट्रोल पंपो में लगने वाली भीड़ को देखते हुए पंप संचालकों से ग्राहकों की सुविधा के हितार्थ कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने का निवेदन किया गया परंतु पंप चालक अपनी मनमर्जी पर उतारू हैं जहां एक ओर पेट्रोलियम कंपनियों के निर्देश है की तीनों बिक्री पॉइंट से पेट्रोल-डीजल देने हेतु कर्मचारी तैनात रहे परंतु ऐसा बिल्कुल भी नहीं हो रहा पंप चालक वेतन कम देने के चक्कर से एवं खुद को अधिक लाभान्वित करने के के चक्कर में नियम निर्देश भूलकर मनमर्जी पर उतारू है जिसका भुगतान ग्राहकों को झेलना पड़ता है जहां एक और पेट्रोल पंप में समय की बर्बादी को देखते हुए लोगों का इस समय रुझान इलेक्ट्रिक व्हीकल की तरफ बढ़ रहा है इसके बावजूद भी पेट्रोल पंप संचालकों की कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं हो रहा है जिससे लोगों के इस व्यस्ततम जीवन का कीमती समय पेट्रोल पंप में लंबी लाइन लगाने के चक्कर में समय बर्बाद हो रहा है वाहन चालको ने बताया की इस संबंध में अनेकों बार लड़ाई झगड़े की भी स्थिति निर्मित हो चुकी है परंतु हालात ज्यों के त्यों आज भी निर्मित हैं जनसेवा समिति गोसलपुर का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही जिले के कलेक्टर से मिलकर चर्चा करेगा वही ग्राम के सिद्धार्थ जैन बृजमोहन पटेल राकेश पाठक आर.पी तिवारी रविंद्र श्रीवास का कहना है की पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा ग्राहकों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाएं भी नदारद रहती हैं पंप संचालकों द्वारा ग्राहकों को न तो इस भीषण गर्मी में ठंडे पानी की व्यवस्था की जाती वही बाथरूम में ताला लटका रहता है और अन्य आवश्यक उपलब्ध कराई जाने वाली निशुल्क सुविधाये उपलब्ध नही कराई जाती हैं नगर में रहती हैं।

अंतरंग के दुख दिखते नहीं हैं : मुनि श्री प्रणम्यसागर महाराज

शहपुरा भिटौनी, यशभारत। अंतरंग से उत्पन्न होने वाले दुख अंतरंग दुख कहलाते हैं। सहज रूप से उत्पन्न हुआ दुख अंतरंग की विशुद्धि से कम हो जाता है। भूख प्यास आदि से उत्पन्न दुख सहज दुख होते हैं। वात, पित्त की प्रकृति से उत्पन्न दुख दोषज दुख कहलाते हैं। प्रकृति के प्रकोप से की वर्षा, धूप आदि के दुख आगंतुक दुख कहलाते हैं। सहज दुख और अंतरंग के दुख दिखाई नहीं देते। सहज दुख प्रतिकार के रूप में दिखाई दे जाते है किंतु अंतरंग का दुख विचित्र प्रकार का होता है जो दिखाई नहीं देता वह अंदर ही रहता है।अध्यात्म विद्या को बार बार कहना सुनना चाहिए। जो लोग समाज विरुद्ध कार्य करते हैं। उन्हें अंतरंग दुख होते हैं। समाज से नकारे जाने पर जब वह व्यक्ति जेल चला जाता है तो वह नकारे जाने का अंतरंग दुख कहलाता है। दूसरा अंतरंग दुख अवज्ञा का दुख कहलाता है। अनादर भले ही न हो किंतु यदि आदर नहीं मिलता तो वह दुख का कारण बन जाता है।हम अपना अंतरंग दुख मिटाने के लिए समाज को न मिटाएं । इच्छा का विघात होना भी अंतरंग का दुख होता है। उक्त उद्गार अर्हम योग प्रणेता प्रणम्य सागर जी ने व्यक्त किए । प्रातः 8-30 बजे से मुनि श्री के मंगल प्रवचन प्रतिदिन हो रहे हैं । जैन समाज ने उपस्थित होने की अपील की है ।

शिशु बाल मंदिर एवं श्री देव मुरलीधर विद्यालय का परीक्षाफल घोषित

गोटेगांव, यशभारत। जिले की सर्वोत्कृष्ट शैक्षणिक संस्था बाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित शिशु बाल मंदिर एवं श्री देव मुरलीधर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोटेगांव में कक्षा पांचवी एवं आठवीं बोर्ड परीक्षा फल क्रमश- 97त्न एवं 88? रहा जिसमें कक्षा पांचवी में कुल 165 विद्यार्थी शामिल हुए जिसमें 8 विद्यार्थी ए प्लस ग्रेड 36 विद्यार्थी ए ग्रेड 52 विद्यार्थी बी प्लस ग्रेड 54 विद्यार्थी बी ग्रेड एवं 10 विद्यार्थी सी प्लस ग्रेड में उत्तीर्ण हुए कक्षा पांचवी में विद्यालय में प्रथम स्थान श्री अहवासी 90त्न द्वितीय स्थान नित्या पटेल 87.50त्न तृतीय स्थान आराध्या नामदेव 87.25त्न के साथ उत्तीर्ण हुए । इसी क्रम में कक्षा आठवीं के कुल विद्यार्थी 182 में 44 बच्चे ए प्लस ग्रेड 45 बच्चे ए ग्रेड 40 बच्चे बी प्लस ग्रेड 27 बच्चे बी ग्रेड एवं चार बच्चे सी प्लस ग्रेड में उत्तीर्ण हुए विद्यालय में प्रथम स्थान वेदिका पटेल 96.50त्न द्वितीय स्थान शिवानी लोधी 95.66त्न तृतीय स्थान सोनी माधवानी 95.33त्न के साथ उत्तीर्ण हुए। बाल शिक्षा समिति के संरक्षक श्री जालम सिंह जी पटेल वरिष्ठ मार्गदर्शक डॉ गौतम भद्र जी, एवं सिंघई अनिल जैन जी, समिति अध्यक्ष सिंघई पंकज जैन सचिव वी डी सोनी सह सचिव आनंद अग्रवाल उपाध्यक्ष शक्ति सिंह राजपूत एवं अजीत खरया कोषाध्यक्ष शिवाजीत ताम्रकार एवं समिति के सम्मानीय सदस्य गणों में अशोक अलाटे अनिल बर्डिया निजाम सिंह राठौर रमेश चंद जैन ध्रुव पचौरी तोडल प्रसाद ताम्रकार पदम चंद्र बर्डिया संतोष बरडिया विनोद तिवारी चौधरी सन्मत जैन राकेश शर्मा दिनेश खजांची संजय सिंघवी अनिल अग्रवाल संजय जैन संदीप जैन कमलेश पाठक रुपेश सराफ गोविंद पटेल द्वारा विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी गई एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी उनको अच्छे परिणाम लाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य शिव शंकर पाठक प्रभारी प्राचार्य संदीप जैन, परीक्षा प्रमुख शिक्षक राकेश नेमा मनोहर शर्मा देवेश जोशी संदीप बर्मा , धर्मेंद्र यादव विष्णु दीक्षित दीपक कुशवाहा जी पी वर्मा, एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

पहलवान राजेन्द्र व उस्ताद कुम्मा पहलवान का सम्मान

बरगी, यशभारत। विगत दिनों जिले में आयोजित जबलपुर केशरी प्रतियोगिता में बरगी विधानसभा के ग्राम कोहनी निवासी उदयदिप्त पहलवान राजेंद्र सिंह सैयाम ने, 65 किलो वर्ग में कुश्ती जीतकर जबलपुर केशरी का खिताब अपने नाम किया है। गुरु बरगी व्यायामशाला में उस्ताद कुम्मा पहलवान के शिष्य राजेंद्र सिंह सैयाम ने समस्त बरगी का नाम रोशन कर दिया है। पहले भी इस अखाड़े के पहलवान राज्य- राष्ट्रीय स्तर पर अपना मल्ल कौशल दिखा चुके है। ग्राम कोहनी में राजेंद्र और उनके गुरु का सम्मान समारोह आयोजित किया गया ।जिसमें प्रमुख रूप से भाजपा ग्रामीण के उपाध्यक्ष भाई नीरज सिंह ,मंडल अध्यक्ष राजनीश सिंह , रंजीत सिंह , खेम सिंह सैयाम जी,मातृशक्ति व युवाजन उपस्थित रहे।

धारा 49 समाप्त करने पूर्व मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

सिहोरा , यशभारत। पेंशन एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष गंगाराम गुप्ता के नेतृत्व में सभी पेंशनर्स ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के सिहोरा आगमन पर उन्हें ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया है कि सभी पेंशनधारी प्रदेश सरकार के कर्मचारी थे किन्तु 2000 में छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश के राज्य विभाजन में हम पेंशन भोगियों के उपर कुठाराघात व अन्याय कर धारा अधिनियम 2000 धारा 49 लाल दी गई जिसमें यह निहित है कि जुलाई व जनवरी माह में बढ़ने वाले डीए महंगाई भत्ता का भुगतान पेंशनभोगियों को तभी किया जायेगा जब छत्तीसगढ़ सरकार अपनी सहमति देगा सम्पूर्ण भारत में नये राज्य बनाए गये है किन्तु किसी भी राज्य के पेंशनरों के उपर धारा 49 नहीं वाली गई है छत्तीसगढ़ सरकार की सहमति न मिलने से हम बुजुर्ग अन्य राज्यों से 9 प्रतिशत कम पेंशन पा रहे हैं।अभी हमें 33 प्रतिशत मंहगाई भत्ता मिल रहा है जबकि पूरे भारत में 42 प्रतिशत मंहगाई भत्ता प्राप्त हो रहा है।हमें छत्तीसगढ़ शासन से हमें 9 प्रतिशत महंगाई के भुगतान की सहमति प्रदान कराकर चुनाव के पहले हमेशा के लिए धारा 49 समाप्त की जाये।इस अवसर पर सुधीर नौगरहिया,जीड़ी सुहाने, शिवकुमार तिवारी आदि उपस्थित थे।

गणेश मंदिर में शिवपुराण में गणेश जन्मोत्सव मनाया

सिहोरा , यशभारत। गणेश मन्दिर कजरवारा में 11 दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन कथावाचक आचार्य प्रमेश मिश्र महाराज के सानिध्य में किया गया है। कुमार कार्तिकेय वर्णन एवम गणेश जन्मोत्सव प्रसंग सुनाया एवम बाल पात्रों द्वारा सुसज्जित वेशभूषा में मंचन किया गया।कथा के दौरान गणपतिजी की झांकी सजाई गई। पूरा पंडाल गणपति बप्पा मोरिया के जयघोष से गुंजायमान हो गया। कथा पर प्रवचन देते हुए आचार्य प्रमेश मिश्रा ने कहा कथानुसार माता पार्वती ने अपने उबटन की बत्तियो से एक शिशु बनाकर उस में प्राण प्रविष्ट कर उसे अपना पुत्र मान लिया और कहा पुत्र मैं स्नान कर रही हूँ तुम किसी को अंदर मत आने देना जब पार्वती जी स्नान कर रही थी बालक पहरा लगा रहा था । इसी बीच शिवजी आ गये ।उन्होंने शिवजी को रोका और कहा माता स्नान कर रही हैं । आप भीतर नहीं जा सकते शिवजी ने बालक को

समझाया पर बालक नहीं माना दोनों में घोर युद्ध हुआ शिवजी ने बालक का सिर काट लिया।माँ पार्वती शोर सुनकर बाहर निकली और रुदन करने लगी । उसी बीच गजासुर शिवजी से लड़ने आया । शिवजी ने उसका मस्तक काट कर बालक के धड पर लगा दिया। इसलिए सर्वप्रथम इनको गजानन नाम मिला एवम प्रथम पूज्य कहलाए ।कथा के अंत में आरती कर प्रसाद वितरण किया गया।कथा में भगवान श्री गणेश जी की आरती वंदना श्रीमति ओमकारी, संतोषी बाई, अनुराधा ,सरला, बंदना, ज्योति,सुमन,अनीता,अलका, मनीसा, बबीता , प्रीति, सरिता, सोनू, मेनका, संदीपा, रेनू, सविता,मोनिका, सपना, अवंतिका, टीना, प्रीति, सोनिका, राशि, प्रियंका, हिमांशु, भोलू उपाध्याय, अटल उपाध्याय, योगेन्द्र मिश्रा, वंदना मिश्रा, शिवदत्त रश्मि मिश्रा ने भक्तों से कथा स्थल में पहुंचकर की।

विधायक सुनीता पटेल ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण

गाडरवारा(यशभारत) चीचली जनपद क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम झामर में विधायक निधि से निर्माण की गई सीसी सड़क एवं नाली निर्माण का लोकार्पण विधायक श्रीमती सुनीता पटेल के मुख्य आतिथ्य, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष छोटे राजा कौरव की अध्यक्षता एवं जनपद अध्यक्ष राधाबाई अहिरवार के विशिष्टआतिथ्य में किया गया । लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी के निर्देशानुसार नारी सम्मान योजना का विधायक के नेतृत्व में शुभारंभ कर महिलाओं को जानकारी देते हुए इस योजना से संबंधित फॉर्म भरवाए गए । विधायक श्रीमती सुनीता पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की करनी और कथनी में बहुत फर्क है जनता के सामने भाजपा का दो मुखी चेहरा उजागर हो चुका है भाजपा ने विधायकों की खरीद-फरोख्त कर लोकतंत्र की हत्या कर कमलनाथ जी की सरकार गिराकर

नारी सम्मान योजना का शुभारंभ कर भरवाए गए फार्म

कूटनीति से भाजपा की सरकार बनाई । अब आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को सबक सिखाएगी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में कांग्रेस का परचम लहराएगा प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही नारी सम्मान योजना के माध्यम से महिलाओं को 15 सौ रुपया प्रतिमाह एवं 5 सौ रुपया में गैस सिलेंडर मिलेगा । समाजसेवी सुरेंद्र पटेल मझले भैया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मनीष राय, कांग्रेस नेता अभिनय ढिमोले, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जिनेश जैन, छोटे राजा कौरव, सुभाष राय, रुपेश राय आदि ने भी संबोधित करते हुए कहां की कांग्रेस सर्वहारा वर्ग की पार्टी है, कर्नाटक तो झांकी है मध्यप्रदेश अभी बाकी है मध्यप्रदेश की जनता कांग्रेस के पक्ष में है निश्चित रूप से प्रदेश में कमलनाथ जी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार स्थापित होगी । इस अवसर पर प्रकाश चौरसिया, विधायक प्रतिनिधि भरत पटेल, अवधेश रूसिया, अजेन्द्र राठौर,विधायक प्रतिनिधि गोपाल जसाठी, राजेंद्र सिँह पटेल भैया जी पटेल, देवी सिंह बघेले, जगमोहन पटेल, शैलेंद्र सिंह पटेल, परसोत्तम पटेल, बलराज पटेल, सूरज राय, गोविंद वर्मा, अंजली राय, योगेश पटेल, सुरेश पटेल, अशोक पटेल, महेंद्र ममार, सरपंच श्री सरदार पटेल, वीर जी पटेल, फूल सिंह पटेल, दिनेश अवस्थी, कमलेश पटेल, मनोहर पटेल, राजेश बड़कुर, राजकुमार पटेल, देवेंद्र स्थापक, धनराज पटेल, राजकुमार वर्मा, अशोक ठाकुर, दशरथ पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे ।

पटैल वार्ड में लंबी वायरस के लक्षण देखने पशु चिकित्सालय की टीम

गाडरवारा(यशभारत) शहर के पटेल वार्ड में लंबी वायरस से ग्रस्त मवेशियों की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर वार्ड में निरीक्षण किया और देखा कि कुछ परिवार में गाय और बछड़े पाए गए,जिनको लंबी वायरस की शिकायत हैं। वार्ड पार्षद चंचल कोरी नेइस विषय के बारे में नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा को अवगत कराया और मुख्य नगरपालिका अधिकारी जय श्री चौहान को भी इस बात की सूचना दी। जिसमे तुरंत ही अध्यक्ष नप अध्यक्ष के निर्देशन मे मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से आदेशित किया तुरंत डॉक्टरों की टीम ने पटैल वार्ड पहुंचकर आवारा घूम रहे जानवरों को वैक्सीन लगाने का कार्य किया द्य इस टीम में देवेंद्र पटेल ,नागवंशी जी,अमर घारू,राजेश यादव,हरेंद्र द्विवेदी, श्री कांत कौरव,नगर पालिका से बबलू चौहान,नरेश रजक सहित स्टाफ के लोगों ने उपचार में सहयोग किया।

शिविर में विजेता बच्चों को मिला पुरस्कार

समाज की महिलाओं की अलावा बच्चे भी हो रहे लाभान्वित

पनागर, यशभारत। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के तत्वाधान में आज शिविर के आयोजन में भाग 1 एवं दो की पढ़ाई बच्चों को सांगानेर जयपुर से आए शास्त्री जी ने कराई सभी विजेता बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया इसके बाद अर्हम योग भी बच्चों को कराया गया तत्पश्चात महिलाओं को इसटोपदेश की कक्षा मैं ब्रह्मचारी अरुण भैया एवं आदर्श भैया जी सांगानेर ने विस्तार से समझाया अखिल भारतीय दिगंबर जैन महिला परिषद की पनागर इकाई की अध्यक्ष श्रीमती समीक्षा चौधरी सचिव रजनी मोदी राजकुमारी चौधरी आशा सिघई मां चमेली बड़कुल के अलावा अनेक महिलाओं पुरुषों का शिविर में सराहनीय योग मिल रहा है समाज की प्रबंधकारिणी के अलावा वरिष्ठ लोगों का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है कार्यक्रम के उपरांत सभी बच्चों को समाज की समाज सेवी रश्मि बड़कुल जी के द्वारा स्वल्पाहार कराया गया प्रतिदिन सुबह से शाम तक विविध आयोजन संपन्न हो रहे हैं जिसमें नगर के पुरुष महिला बच्चे सभी लोग भाग ले रहे हैं

गौ एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नरसिंहपुर यभाप्र। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें के नरसिंहपुर स्थित कार्यालय से मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी, राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिलेश्वरानंद गिरी ने कहा कि गौवंशों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में गौसंवर्धन बोर्ड सतत रूप से कार्य कर रहा है। बोर्ड द्वारा गौ उत्पाद निर्मिताओं, शोध प्रबंधन और इससे संबंधित अन्य कार्यों में लगे लोगों एवं एनजीओ को गौशालाओं के साथ संबद्ध किया जा रहा है। ग्राम पंचायत एवं गौशाला संचालन समिति के मध्य समन्वय से गौशालाओं में पशुओं को सभी मूलभूत आवश्यकताओं की

पूर्ति की जा रही है। गौशाला प्रबंधन के आठ आयामों को शामिल कर उन आयामों के अनुसार संचालन किया जा रहा है। फिनायल के स्थान पर गौनायल का इस्तेमाल, गोबर द्वारा तैयार किये गये पेंट से गौसंवर्धन बोर्ड के भोपाल भवन की पुताई कराई जा रही है। यह सभी उत्पाद सस्ते एवं गुणवत्तायुक्त है। उन्होंने बताया कि एम्ब्रीयो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी प्रदेश में विकसित की गई है। इसके द्वारा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि गौवंश कभी अनुपयोगी नहीं होता है। गौउत्पाद भारत को आर्थिक उन्नति की दिशा में लेकर जाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। सांसद श्री सोनी ने कहा कि गाय के इलाज के लिए संसाधन गाय तक पहुंचाना जरूरी है, इसके लिए गौ एम्बुलेंस की शुरूआत की गई है। उन्होंने बताया कि गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गौमूत्र में सारे मिनरल्स मौजूद होते हैं। महानगरों में गाय थेरेपी प्रारंभ हो चुकी है। वैज्ञानिक पद्धति से गोबर द्वारा पेंट तैयार किये जा रहे हैं, जो पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है। गाय के गोबर द्वारा गौकाष्ट, अगरबत्ती एवं गोबर गैस तैयार की जा रही है। यह सभी गौ उत्पाद परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त करने में भी महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि पशु पालकों द्वारा टोल फ्री नम्बर 1962 पर फोन करने पर गौ एम्बुलेंस के माध्यम से घर पहुंच पशु चिकित्सा सेवा प्राप्त होगी। इस वाहन में पशुओं के लिए आवश्यक औषधियां और सैम्पिलिंग आदि की व्यवस्था रहेगी। कार्यकम में आदर्श गौशाला केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर को 5 लाख रुपये और गौसंवर्धन बोर्ड द्वारा देवराम जानकी गौशाला बगदरा को 5 लाख रुपये का चैक प्रदान किया गया। साथ ही गोबर द्वारा निर्मित प्राकृतिक पेंट भी यहां नवाचार के रूप में प्रदान किये गये। उल्लेखनीय है कि गौ रक्षा संकल्प के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन से पशुओं के उपचार के लिए जिले के सभी विकासखंडों के लिए एक- एक गौ एम्बुलेंस प्राप्त हुई है। कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुनीता खंडायत, उप संचालक पशु पालन डॉ. असगर खान, जिला पंचायत सदस्य सीताराम नामदेव, श्रीमती स्वाति स्थापक, बालक दास महाराज, कल्याणी पांडे, डॉ. अनंद दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद थे।

सुपर जायंट्स की जीत से सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में मुम्बई से आगे हुई

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के 16 वें सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की मुंबई इंडियंस पर जीत से महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपरकिंग्स को लाभ हुआ है। सीएसके अब प्लेऑफ की दौड़ में रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस से आगे हो गयी है। सीएसके अब अंकतालिका में दूसरे नंबर पर आ गयी है। सीएसके ने अब तक 13 में से 7 मैच जीते हैं। वहीं एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। ऐसे में दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला था। इससे सीएसके के अब 15 अंक हो गये हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के भी 13 मैच में 15 अंक हैं पर नेट रन औसत के आधार पर वह तीसरे स्थान है। अब तक केवल गुजरात टाइटंस ही प्लेऑफ में पहुंची है। ऐसे में तीन अन्य टीमों को लेकर अभी फैसला आना है। वहीं मुंबई के 13 मैच में 14 जबकि पंजाब के 12 मैच में 12 अंक हैं। आरसीबी के भी 12 मैच में 12 अंक हैं. मंबई को अंतिम मैच में सनराइजर्स हैदरबाद से खेलना है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई की टीम यदि यह मैच जीत लेती है, तो राजस्थान और केकेआर की टीमें अंतिम मैच जीतने पर भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएंगी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को अंतिम 2 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस से खेलना है। वहीं पंजाब किंग्स को दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उतरना है। आरसीबी और पंजाब 16-16 अंक तक पहुंच सकते हैं. ऐसे में अगर मुंबई इंडियंस को अंतिम मैच जीत मिलती है, तो तीनों ही टीमों के 16-16 अंक हो जाएंगे. ऐसे में जिसका नेट रनरेट अच्छा होगा, उसे फायदा मिलेगा।

इंग्लैंड में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान नहीं रहेगा : ख्वाजा

ब्रिसबेन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के अनुसार अगले माह जून में इंग्लैंड में होने वाली एशेज सीरीज में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए अभी से कड़ी मेहनत करनी होगी और उम्मीदों का बोझ भी कम करना होगा। ख्वाजा को अभी तक इंग्लैंड के हालातों में रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। उन्होंने इंग्लैंड में जो छह टेस्ट मैच खेले हैं उनमें केवल 19.66 की औसत से ही रन बनाए हैं। ख्वाजा हालांकि इस समय अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। इस 36 वर्षीय बल्लेबाज को उम्मीद है कि वह भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम को सात जून से लंदन के ओवल में भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगा जबकि इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला 16 जून से बर्मिंघम में शुरू होगी।

आखिर क्या खाते हैं मोहम्मद शमी! जो गुजरात में नहीं मिल रहा उनका खाना, रवि शास्त्री से की शिकायत

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस सीजन आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्होंने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 ओवर में अपने कोटे में 20 रन खर्च कर 4 विकेट अपने नाम किए और इस शानदार प्रदर्शन के दम पर अब उन्होंने पर्पल कैप पर अपना कब्जा जमा लिया है. शमी के नाम अब कुल 23 विकेट दर्ज हैं. इस बीच जब उनसे उनकी फिटनेस और खानपान पर सवाल किया गया तो वह यह शिकायत कर गए कि गुजरात में उनकी पसंद का तो फूड नहीं मिलता. शमी ने कहा कि गुजरात में हूं तो मेरा खाना नहीं मिलेगा न. वैसे बता दें शमी खाने के मामले में बिरयानी के बहुत बड़े फैन हैं. सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 विकेट झटककर शमी ने इस सीजन का पर्पल कैप अपने नाम कर ली है. वह मैच के बाद टीम इंडिया के पूर्व चीफ कोच और अब आईपीएल में कॉमेंटेटर की भूमिका निभा रहे रवि शास्त्री से बात कर रहे थे. शास्त्री ने उनकी बॉलिंग के साथ-साथ मोहित शर्मा की बॉलिंग पर भी बात की. इसके बाद जब शास्त्री ने इस बातचीत का आखिरी सवाल उनके भोजन पर किया, तो शमी मुस्करा दिए. शास्त्री ने उनसे पूछा था कि आप खाते क्या हो! अब तो गर्मी चढ़ रही है लेकिन आप पहले से भी तेज दौड़ रहे हो और तगड़े हो रहे हो. इस पर शमी ने मुस्कुराते हुआ कहा, 'गुजरात में हूं. मेरा खाना नहीं मिलेगा नऽ.' इसके बाद दोनों हंसते हैं और शास्त्री उनके प्रदर्शन पर मुबारकबाद देते हैं और इसके बाद शमी यह कहते हुए अपनी बात खत्म करते हैं कि वह गुजराती खाना खूब एन्जॉय कर रहे हैं. वैसे गुजरात में

खानपान की बात करें तो यहां बीफ पर बैन है और शायद शमी का इशारा इसी ओर हो. इस बीच शमी के आईपीएल में प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने इस सीजन गुजरात के लिए सभी 13 मैचों में भाग लिया है, जबकि अभी इस टीम का एक लीग मैच भी बाकी है और वह प्लेऑफ में पहले ही क्वॉलीफ कर चुकी है. ऐसे में उसके पास कम से कम दो मैच तो और बचे ही हैं. शमी ने 13 मैचों में 23 विकेट अपने नाम कर लिए हैं. इस फेहरिस्त में नंबर 2 पर भी उन्ही की टीम के स्पिन गेंदबाज राशिद खान मौजूद हैं और उनके भी 23 ही विकेट हैं।

आईपीएल में ऑलराउंडरों को होगा इंपैक्ट प्लेयर नियम से नुकसान : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल में इसी सत्र से लागू इंपैक्ट प्लेयर नियम से ऑलराउंडरों को नुकसान उठाना पड़ेगा। आईपीएल में अब तक ऑलराउंडरों की जबरदस्त मांग थी जो कम हो जाएगी। इस साल इंपैक्ट प्लेयर के आने से ही ऑलराउंडरों को पहले की तरह सफलता नहीं मिली है। आईपीएल के इस सत्र में ऑलराउंडरों को भारी भरपर जमकर रकम मिली। इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुर्रन को पंजाब किंग्स की टीम ने 18.50 करोड़ रुपए में जबकि कैमरुन ग्रीन को मुंबई इंडियंस ने 17.50 करोड़ तो बेन स्टोक्स को चेन्नई सुपर किंग्स ने 16.25 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया पर ये तीनों ही प्रभावित नहीं कर पाये।

इसका कारण इंपैक्ट प्लेयर नियम रहा है। इस नियम के आने से पहले ऑलराउंडरों का दबदबा था पर अब टीमें इंपैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल कर एक विशेषज्ञ बल्लेबाज और गेंदबाज को शामिल करती हैं। आकाश के अनुसार बेहतर ऑलराउंडर्स पर अभी भी पैसा खर्चा जाएगा। साथ ही कहा कि अगर आईपीएल में विदेशी खिलाड़ी को भी इंपैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल करने का नियम आ जाए तो ऑलराउंडर्स पर संकट आ सकता है। चोपड़ा ने हालांकि कहा कि मेरे हिसाब से गुणवत्ता अंत में बहुत मायने रखेगी कि खिलाड़ी क्या लेकर आ रहा है। जैसे रविंद्र जडेजा एक ऑलराउंडर है और उन्हें 16 करोड़ का खरीदा गया था

और वो बहुत कमाल का काम कर रहे हैं। राशिद खान है तो वैसे लेग स्पिनर, मगर वो बल्लेबाजी भी करते हैं। हार्दिक पांड्या भी एक बढ़िया ऑलराउंडर हैं। इन ऑलराउंडर्स पर अभी भी पैसा खर्चा जाएगा क्योंकि आप उन्हें 11 में सिर्फ रखते नहीं हैं, वो आपके लिए दो स्किल्स लेकर आते हैं जो बड़ी अहम होती है। उनके रहने से आपके पास अधिक विकल्प होते हैं।

प्रणय बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग मेंसर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के एचएस प्रणय ताजा बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में दो स्थान के लाभ के साथ ही पुरुष एकल में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। प्रणय को अब तक 17 टूर्नामेंट से 66,147 अंक मिले हैं और वह देश के सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी बने हुए हैं। पुरुषों के एकल वर्ग में अन्य भारतीय खिलाड़ियों में लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत 22वें और 23वें स्थान पर हैं। वहीं महिला युगल में दो स्थान के लाभ से त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को 15 वां स्थान मिला है। इसके अलावा दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु महिला एकल विश्व रैंकिंग में एक स्थान के लाभ के साथ ही 11वें पायदान पर पहुंच गयी हैं। दूसरी ओर पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी दो पायदान नीचे आकर सातवें स्थान पर फिसल गयी है।

टी20 लीग से द्विपक्षीय सीरीज पर खतरा मंडराया

मुम्बई (ईएमएस)। दुनिया भर में जिस प्रकार टी20 लीग बढ़ती जा रही हैं। उससे आने वाले समय में द्विपक्षीय सीरीज खतरे में पड़ जाएगी। आईपीएल फ्रेंचाइजी सिर्फ भारत में ही नहीं अब यूएई, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज में भी अपनी टीमें टी20 लीग में उतार रही हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के बाद अब सऊदी अरब में भी लीग क्रिकेट शुरु होने वाला है। इससे खिलाड़ी अब राष्ट्रीय टीम की जगह लीग से खेलने को वरीयता देने लगे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल टीमों की सालाना अनुबंध के लिए इंग्लैंड के 6 खिलाड़ियों से बात हुई है। यह करार इस साल के अंत तक हो सकता है। इसमें शामिल खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा 50 करोड़ रुपये तक मिल सकते हैं। वहीं इसी बीच फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन (फिका) के अनुसार इंग्लैंड के ही नहीं ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को भी इसी तरह के प्रस्ताव मिले हैं। अब फिका के एक्सीक्यूटिव चेयरमैन हीथ मिल्स ने कहा कि इसका एक ही उपाय है। सभी बोर्ड को एक साथ आना और द्विपक्षीय सीरीज के कार्यक्रम में टी20 लीग को शामिल करना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो खिलाड़ी टी20 लीग में पैसे के कारण आकर्षित होकर राष्ट्रीय टीम की ओर से नहीं खेलेंगे। ऐसे में टी20 लीग के लिए साल में 2 से 3 विंडो बनाई जा सकती है। सऊदी अरब भी आईपीएल की ही तरह बड़ी टी20 लीग शुरु करने की योजना बना रहा है। बीसीसीआई अभी दुनिया का सबसे धनी बोर्ड है। उसके केन्द्रीय अनुबंध के तहत टॉप ग्रेड के खिलाड़ी को अधिकतम 7 करोड़ मिलते हैं। इसके अलावा मैच फीस की रकम मिलती है। भारतीय टीम ने पिछले साल 7 टेस्ट, 24 वनडे और 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इस प्रकार एक साल में कुल 71 मैच। एक टेस्ट टेस्ट खेलने पर मैच फीस 15 लाख, वनडे के 6 लाख और टी20 के 3 लाख मिलते हैं। ऐसे में एक खिलाड़ी को मैच फीस से अधिकतम 2022 में 3.69 करोड़ रुपये मिलते हैं। इसमें केन्द्रीय अनुबंध के सात करोड़ को जोड़ दें तो यह 10.69 करोड़ हो जाएंगे। इस प्रकार ये आईपीएल टीमों की ओर से दिये जा रहे 50 करोड़ रुपये से काफी कम है।

एशेज की तैयारियों के लिए इंग्लैंड लौटेंगे स्टोक्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स अब एशेज की तैयारी के लिए आईपीएल छोड़कर स्वदेश लौट रहे हैं। वह शनिवार को सीएसके के अंतिम लीग मैच के बाद ही स्वदेश लौट जाएंगे जिससे उन्हें अगले महीने जून में शुरू हो रही एशेज श्रृंखला की तैयारियों के लिए पर्याप्त समय मिल सके। स्टोक्स को सीएसके ने दिसंबर 2022 की नीलामी में 16.25 करोड़ रुपए में खरीदा था पर वह

आईपीएल के इस सत्र में विफल रहे हैं। वह सीएसके की ओर से केवल दो मैच ही खेल पाए थे जिसमें वह सात और आठ रन ही बना पाये। उन्होंने अपने एक ओवर में 18 रन दिए। स्टोक्स शनिवार की शाम को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच के बाद स्वदेश लौटेंगे। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला 16 जून से शुरू होगी। इससे पहले इंग्लैंड टीम आयरलैंड के खिलाफ एक टेस्ट भी खेलेगी।

रंग संसार

आदित्य धर का ड्रीम प्रोजेक्ट अश्वथामा 3 साल से देख रहा राह

मुंबई (ईएमएस)। निर्देशक आदित्य धर का ड्रीम प्रोजेक्ट अश्वथामा पिछले तीन सालों से शुरू होने की राह देख रहा है। आरएसवीपी के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म से रॉनी स्क्रूवाला ने हाथ पीछे खींच लिए थे, उसके बाद से निर्माता की तलाश जारी थी, जो जियो स्टूडियो पर जाकर रुकी। जियो ने तुरन्त

फैसला लेते हुए फिल्म से विक्की कौशल को बाहर का रास्ता दिखा दिया, क्योंकि वो 300 करोड़ की लागत को विक्की पर नहीं लगाना चाहता था। इसके बाद कई सितारों के नाम सामने आए, लेकिन बात अब अल्लू अर्जुन के संकेत देने से बढ़ रही है। अब सुनने में आया है कि पुष्पा स्टार के साथ मेकर्स की बात शुरू हो चुकी है। शुरुआती स्तर पर अल्लू अर्जुन को फिल्म का कॉन्सेप्ट काफी पसंद आया है। और वो इसे करने के लिए हामी भर चुके हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट की मानें तो करीबी सूत्र ने कहा कि अश्वथामा आदित्य धर का सपना है, जिसे जियो स्टूडियो के बोर्ड में आने पर नई जिंदगी मिली। फिल्ममेकर और जियो स्टूडियो के टॉप अधिकारी अल्लू अर्जुन से बात कर रहे हैं। बातें शुरुआती स्तर पर हैं और अल्लू अर्जुन ने अपनी ओर से इस अनोखी दुनिया में आने के लिए उत्सुकता दिखाई है। बीते कुछ महीनों में कई बातचीत के दौर पूरे हो चुके हैं और जल्द ही चीजें वास्तविकता का रूप ले सकेंगी।

द केरला स्टोरी तमिलनाडु में नहीं हुई थी बैन जानिए क्या था स्क्रीनिंग रोकने का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। द केरल स्टोरी की चर्चा इन दिनों हर जगह देखने को मिल रही है। फिल्म बॉक्स आफिस में दमदार कमाई कर रही है। वही कहा जा रहा था कि फिल्मों को 2 रायों में बैन किया गया था, लेकिन तमिलनाडु पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि फिल्म द केरला स्टोरी के निर्माताओं ने जानबूझकर भ्रामक बयान दिया है कि राय सरकार ने फिल्म की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगाया है। पुलिस ने कहा कि मुस्लिम संगठनों के विरोध और आपत्ति के बावजूद फिल्म 19 थिएटर में रिलीज हुई, लेकिन खराब रिस्पॉन्स के चलते इसे हटा दिया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) ने अपने हलफनामे में कहा दुर्भावना से प्रेरित और प्रचार पाने के प्रयास में याचिकाकर्ताओं ने ये आरोप लगाए हैं कि इसे बैन कर दिया गया है, जबकि तमिलनाडु अपने सकारात्मक दायित्व का निर्वहन कर रहा है जिसमें फिल्म की स्क्रीनिंग की जा सकती है। दर्शकों की खराब प्रतिक्रिया के कारण फिल्म की स्क्रीनिंग बंद कर दी गई और इसमें सरकार कुछ नहीं कर सकती। राय पुलिस ने तर्क दिया कि मल्टीप्लेक्स मालिकों ने फिल्म में किसी भी लोकप्रिय सितारों की अनुपस्थिति के कारण खराब बॉक्स ऑफिस संग्रह का हवाला देते हुए इसकी स्क्रीनिंग को रोकने का कारण बताया। इसने जोर देकर कहा कि राय कोई नियंत्रण नहीं रखता है और निर्णय थिएटर मालिकों का है और राय की इसमें कोई भूमिका नहीं है। पुलिस ने कहा कि कुछ मुस्लिम संगठनों के विरोध के बावजूद 5 मई को पूरे राय में थिएटर मालिकों को फिल्म दिखाने की सुविधा दी गई। शैडो बैन के खिलाफ फिल्म निर्माता की याचिका पर शीर्ष अदालत के नोटिस पर पुलिस ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने एक भी दस्तावेज या सबूत पेश नहीं किया है जो ये बताए कि तमिलनाडु ने फिल्म के प्रदर्शन पर बैन लगाया है। हलफनामे में कहा गया है कि पुलिस ने 25 डीएसपी सहित

965 से अधिक पुलिस कर्मियों को 21 सिनेमाघरों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था, जिन्होंने फिल्म की स्क्रीनिंग की थी। शीर्ष अदालत ने 12 मई को पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सरकार से जवाब मांगा था कि पूरे देश में सुचारू रूप से चल रही फिल्म द केरला स्टोरी को उनके रायों में प्रदर्शित क्यों नहीं किया जा सकता। द केरल स्टोरी की कहानी केरल में धर्म परिवर्तन कर आतंकी संगठन से जुड़ने के ऊपर आधारित है। फिल्म में दावा किया गया है कि केरल की 32,000 लड़कियां लापता हो गई और बाद में आतंकवादी समूह, आईएसआईएस में शामिल हो गई थीं। इस फिल्म को जहां एक पक्ष सही कहानी बता कर इसका प्रचार कर रहा है तो दूसरा पक्ष इसे मनगढ़ंत बताता नजर आ रहा है। 'द केरल स?टोरी' को सुदीप्तो सेन ने डायरेक्ट किया है। वही इस फिल्म को विपुल अमृतलाल शाह द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। 'द केरल स्टोरी' में अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सिद्धि इडनानी और सोनिया बलानी ने अहम रोल प्ले किया हैं। 40 करोड़ की लागत से बनी सुदीप्तो सेन की द केरल स्टोरी 4 लड़कियों की कहानी पर आधारित है जिसमें 3 का ब्रेनवाश कर उन्हें दूसरे धर्म से ले जाकर उनका शोषण किया जा रहा दिखाया गया है।

बच्चे का सम्मान होना जरूरी-दीया मिर्जा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म भीड में नजर आई दीया मिर्जा 2021 में व्यवसायी वैभव रेखी के साथ शादी के बंधन में बंधी। दीया मिर्जा ने वैभव की 14 वर्षीय बेटी समायरा रेखी के साथ अपने संबंधों पर बातचीत की है। दीया ने समायरा द्वारा अपने फोन पर दिए गए उपनाम के बारे में एक मजेदार कहानी भी साझा की। जूम एंटरटेनमेंट को दिए एक इंटरव्यू में दीया ने कहा कि बच्चे का सम्मान होना जरूरी है। दीया ने कहा, मैं उसे एक व्यक्ति के रूप में मानती हूं, जो वह है। मुझे लगता है कि एक बच्चे के लिए प्यार और देखभाल करना बहुत जरूरी है। लेकिन एक बच्चे के लिए एक व्यक्ति के रूप में सम्मान होना भी बहुत महत्वपूर्ण है, और मैं समायरा के साथ ऐसा इसलिए करती हूं क्योंकि मेरे माता-पिता ने मेरे साथ ऐसा किया। मुझे सौतेली बेटी शब्द से नफरत है। क्योंकि मैंने कभी अपने पिता को सौतेला पिता नहीं कहा। मेरे एक सौतेले पिता थे। मैं कभी भी दुष्ट सौतेली माँ की अवधारणा के साथ बड़ी नहीं हुई। यदि आप अच्छे लोगों को उठाना चाहते हैं जो हर किसी का सम्मान करना सीखते हैं तो आपको ऐसे लोगों को भी उठाना होगा जो समझते हैं कि कभी-कभी कुछ रिश्ते काम नहीं करते हैं और कुछ अन्य करते हैं। समायरा, वैभव की पहली शादी सुनैना रेखी से हुई, बेटी है। दीया और वैभव का एक बेटा है- अयान आजाद रेखी।

समायरा के अपने लिए उपनाम के बारे में बात करते हुए, दीया ने कहा, सबसे लंबे समय तक, समायरा ने मेरा नाम अपने फोन पर अभी तक दुष्ट सौतेली माँ नहीं के रूप में सहेजा था। इसलिए मैंने अभी तक सौतेली माँ के रूप में योग्यता प्राप्त नहीं की है।

बांग्लादेश में भी चला पठान का जादू, सभी शो चल रहे फुल, वितरक खुश

मुंबई (ईएमएस)। भारत में अपना जादू दिखाने के बाद बांग्लादेश में भी पठान का जादू चल रहा है और अब तक सभी शो फुल चल रहे हैं। बांग्लादेश में 2009 के बाद प्रदर्शित हुई पहली हिन्दी फिल्म पठान ने वहां के लोगों के हिन्दी फिल्मों के उन्माद को जाहिर कर दिया है। दो दिन पूर्व प्रदर्शित हुई पठान अब तक की सबसे सफल हिन्दी फिल्म साबित हो गई है। 48 स्क्रीन्स पर प्रदर्शित हुई इस फिल्म के 200 शो रोज चल रहे हैं, जो सभी के सभी हाउसफुल हैं। पिछले दो दिन से लगातार हाउसफुल चल रही इस फिल्म की एडवांस को लेकर जबरदस्त क्रेज है। खास बात ये है कि बांग्लादेश में ये पहली सक्सेसफुल हिंदी फिल्म है, जो रिलीज हो पाई है। इससे पहले 2009 में वहां सलमान खान की फिल्म वांटेड रिलीज हुई थी, लेकिन विवादों की वजह से जल्दी ही उतर गई थी। बांग्लादेश को आजाद हुए 52 साल हो गए हैं, लेकिन वहां विदेशी फिल्में अभी भी रिलीज नहीं होतीं। मीडिया के अनुसार एक लोकल डिस्ट्रीब्यूटर ने कहा कि पहले दो दिनों के लिए पठान के सारे टिकट एडवांस में बिक गए हैं। बांग्लादेश में पहले लोकल इंडस्ट्री को बढ़ाने और उनकी सुरक्षा के लिए विदेशी फिल्मों पर बैन लगाया था। हालांकि इस साल बांग्लादेश की सरकार ने निर्णय लिया कि अब देश में 10 विदेशी फिल्मों को कामर्शियली रिलीज किया जाएगा।

फायर बिग्रेड की 5 गाड़ियों ने बमुश्किल आग पर पाया काबू, क्षेत्र में हड़कंप

होटल बड़कुल में भड़की आग

लाखों के नुकसान का अनुमान, मामले की जांच जारी

जबलपुर, यशभारत। विजय नगर के दीनदयाल चौक स्थित होटल बड़कुल में आज सुबह करीब सुबह 8 बजे निकल रहे धुंए के गुबार को देखकर लोग हैरत में पड़ गए। जिसके बाद तत्काल नगर निगम के फायर बिग्रेड को सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर ननि के पांच वाहन और करीब आधा दर्जन कर्मचारी पहुंचे और आग पर बमुश्किल काबू पाया गया।

इस भीषण अग्निकांड में लाखों का सामान, फर्नीचर आदि जलकर खाक हो गया। मौके पर विजय नगर, माढोताल की पुलिस मौजूद रही। जानकारी अनुसार विजय नगर थाना प्रभारी संदीपिका ठाकुर ने बताया कि आज सुबह सूचना मिली कि होटल बड़कुल में आग भड़क गयी है। मौके पर ननि अमले को सूचना दी गई। जिसके बाद पांच वाहनों को ननि से रवाना किया गया। कर्मियों ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया। इस घटना में लाखों के नुकसान का अनुमान है, मामले की जांच जारी है।

शॉट सर्किट से लगी आग

बताया जा रहा है कि होटल में शॉट सर्किट से आग लग गयी जो देखते ही देखते पूरी होटल को अपनी जद में ले लिया। हादसे में फिलहाल किसी जन हानि की खबर नहीं है।

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी में पास-फेल का मामला

पूर्व परीक्षा नियंत्रक, उपकुलसचिव को शोकॉज नोटिस जारी

हाईकोर्ट के निर्देश पर विवि ने की कार्रवाई

जबलपुर, यशभारत। मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी का चर्चित पास-फेल का मामला एक बार सुर्खियों पर है। इस प्रकरण के तहत विवि ने पूर्व परीक्षा नियंत्रक वंद्रा सकसेना और उपकुलसचिव तृप्ति गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। विवि ने नोटिस में कहा कि प्रकरण में क्यों इतनी बड़ी लापरवाही की गई। दो संबंधितों को नोटिस हाईकोर्ट के निर्देश पर जारी किए गए हैं। मालूम हो कि इस मामले को लेकर रिटायर जस्टिस केके त्रिवेदी कमेटी गठित की गई थी जिसमें पाया गया था कि विवि में पास-फेल का खेल हुआ है।

पास-फेल करने का बड़ा खेल खेला गया

यूनिवर्सिटी में पास-फेल करने का बड़ा खेल खेला गया है। वहीं ऐसे छात्र-छात्राओं को भी पास कर दिया गया जो परीक्षा में अनुपस्थित रहे। इस घोटाले का आरोप विश्वविद्यालय का रिजल्ट बनाने वाली कंपनी माइंडलॉजिक्स पर लगा था। माइंडलॉजिक्स कंपनी छात्रों के रिजल्ट बनाने का काम करती थी। कंपनी, छात्र- छात्राओं के गोपनीय डेटा पर ही कुंडली मारकर बैठ गई। कंपनी से जानकारी मांगे जाने पर कंपनी ने बंगलूरू स्थित अपना कार्यालय लॉकडाउन में बंद होने का हवाला देकर जानकारियां देने में आनकानी की।

4 अधिकारियों पर गिर चुकी है गाज

बता दें कि मामले में अब तक कार्रवाई करते हुए 4 अधिकारियों को उनके पदों से हटा दिया गया है। जबकि रिजल्ट बनाने वाली कंपनी को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। लेकिन सवाल अब भी जिंदा है कि जिन छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है उनका क्या होगा।

ऐसे खेला गया पूरा खेल

मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय में रिजल्ट बनाने वाली कंपनी सॉफ्टवेयर में बदलाव कर एग्जाम कंट्रोलर और गोपनीय विभाग के निजी ईमेल अंक भेजती है। फिर उनके कहने पर छात्रों के अंक में फ़ेरबदल किए जाते हैं। पास फेल के इस खेल में ऐसे छात्रों को भी पास कर दिया जाता है जिन्होंने परीक्षा दी ही नहीं।

5 वीं-8वीं के परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी

दो स्कूल में विज्ञान विषय के 80 विद्यार्थी फेल, राज्य शिक्षक संघ का आरोप विभागीय अधिकारियों से हुई गलती

जबलपुर, यशभारत। सालों बाद 5वीं-8वीं की बोर्ड परीक्षाएं हुई और उसी तर्ज पर परीक्षा परिणाम जारी भी हुए। लेकिन परीक्षा परिणाम जारी करने में कोताही बरती गई। दो स्कूल से पूरे के पूरे छात्रों को विज्ञान विषय में फेल कर दिया गया। जबकि विद्यार्थी पूरा पेपर करके आए थे। यह आरोप मप्र राज्य शिक्षक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी ने लगाए हैं।

कर्मचारी नेता नरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग कितने भी दावे कर ले पर कभी भी कोई कार्य सही हो नही पाता।पाँचवी-आठवीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ पर सर्वर ऐसा कि दो दिनों तक छात्र रिजल्ट के लिए भटकते रहे।अब एक नया मामला और सामने आया जहाँ स्कूल के सभी 40 छात्र विज्ञान विषय मे फेल हो गए।शाला के शिक्षक ने दावा किया कि यह असंभव है छात्र ऐसे फेल हो ही नही सकते। विदित हो कि मझौली विकासखंड के शासकीय माध्यमिक शाला गुरजी में 40 छात्रों ने आठवी की परीक्षा दी और सभी 40 छात्र विज्ञान विषय मे फेल हो गए।आश्चर्य की बात यह है कि विज्ञान विषय मे छात्रों के अधिकतम अंक 60 में से मात्र 4 है।शाला के शिक्षक नारायण तिवारी ने दावा किया कि उनके स्कूल का एक भी छात्र विज्ञान में फेल नही हो सकता।शिक्षक ने मांग की कि उसके छात्रों की कॉपी पुनः देखी जाए कही न कही जरूर कोई गलती हुई है। उक्त मामले में राज्य शिक्षक संघ जबलपुर के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र त्रिपाठी ने शिक्षा विभाग से मांग की कि तत्काल कॉपी पुनः देखी जाए और बच्चों के साथ न्याय किया जाए।उन्होंने यह भी दावा किया कि ऐसे ही मामले अनेक स्कूलों के है जो धीरे धीरे सामने आएंगे।

ग्रेडिंग में एकरूपता करे विभाग

कल 5 वीं-8वीं का रिजल्ट आया।अब जारी अंकसूचियों में पूर्व से निर्धारित ग्रेड , क्ष ष्ट, ष्ठ और श्व से भिन्न+,क्ष+,ष्ट+ भी है।जबकि ये ग्रेड इससे पहले और कक्षा 1 से 4 और 6-7 में कभी नही रखे।स्वयं शिक्षक संवर्ग को इन प्लस वालो की परिभाषा अभी नही पता। राज्य शिक्षक संघ जबलपुर माननीय आयुक्त,राज्य शिक्षा केन्द्र से आग्रह करता है कि ग्रेडिंग में सभी कक्षाओं में एकरूपता होनी चाहिए।इससे पहले भी एक बार ग्रेड से बड़ा+ चला था।एक दो वर्ष चला फिर गायब हो गया।अब फिर ये नई ग्रेडिंग।हमारा आग्रह है इसपर विचार करे और सुझाव है कि ग्रेडिंग, क्ष ष्ट, ष्ठ और श्व से बेहतर कुछ नही हो सकता।चाहे तो 85त्तसे ऊपर+किया जा सकता है।

गुलौआ चौक गार्डन में घुसे तलवारबाज बदमाश

महिलाओं को खदेड़ा, एक की उंगली काट दी, दो बुजुर्गों को पैर में दनादन मारी तलवारें

जबलपुर, यशभारत। संजीवनी नगर थाना अंतर्गत गुलौचा चौक स्थिति गार्डन में आज सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब हाथों में नंगी तलवारें लेकर कुछ बदमाश गार्डन में घुसे और गालीगलौच करने लगे। यहां तक कि महिलाओं को भी खदेड़ दिया और दूसरे गुट के बदमाशों को गालियां देकर लड़ने लगे। जिसके बाद वहां सुबह सुबह टहल रहे तीन बुजुर्गों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया तो वह आग बबूला हो गए और दनादन तलवार, चाकू मारकर तीन बुजुर्गों को बुरी तरह घायल कर दिया। तीनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते गार्डन में लोगों को भारी जमावड़ा लग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर, बदमाशों को पूरे क्षेत्र में तलाश करने में जुटी है। पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गुलौआ चौक गार्डन में टहर रहे अशोक कुमार, वीरेन्द्र सहित एक अन्य बुजुर्ग को गार्डन में घुसे आरोपियों ने तलवार, चाकू से हमला कर घायल कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे में एक की उंगली कट गयी तो वहीं दो बुजुर्गों को पैर में दनादन तलवारे मारी गयी है।

श्रीमती सुदामी भारती का निधन

जबलपुर। व्हीकल इस्टेट निवासी श्रीमती सुदामी भारती का 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे श्री राम भारती की पत्नी एवं सुनील, अनिल और अरविंद भारती की माता जी थीं। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

आवश्यकता है
फ्लैक्स डिजाइनर की शीघ्र आवश्यकता है
जिसे कोरल ड्रा का पूर्ण ज्ञान हो।
शीघ्र संपर्क करें।
यशभारत फ्लैक्स कार्यालय
शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर
मो. 7804887888, 7974594521

29 YEARS SHALBY MULTI-SPECIALTY HOSPITALS
29 साल के भरोसे के साथ पाये
पेट और लिवर
का विश्वसनीय एवं सम्पूर्ण इलाज
+91 95758 01200

लक्ष्मी नारायण फायर मार्केटिंग
• अग्निशामक यंत्र सभी प्रकार के • स्मोक पेनल, स्मोक सेंसर • फायर बकेट, स्टेंड, फायर एण्ड बॉक्स
• हायड्रेन्ट गाइजर • होजरील कम्पलीट • होज बॉक्स, आरआरएल होज पाइप
• ब्रांच नोजल • हायड्रेन्ट वॉल्व सभी प्रकार के • टू वे फायर इनलेट सभी प्रकार के
• फायर पम्प • फर्स्ट एंड बॉक्स • फायर (NOC) ऑनलाईन आवेदन सुविधा फायर कंसल्टेंट द्वारा
• हमारी कम्पनी के द्वारा सभी शैक्षणिक संस्थान हॉस्पिटल एवं सभी ऑफिसर्स मे फायर सेफ्टी ट्रेनिंग प्रदान की जाती है
• फायर सिलेंडर रिफलिंग एवं फायर हाइड्रेंट सिस्टम के कार्य किए जाते है।
विजयनगर, जबलपुर म.प्र. मो. 8827187743 , 9179340919

अनंत हॉस्पिटल
NABH (E.L.) ACCREDITED & ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL
अब नये परिवेश में चिकित्सा क्षेत्र की उच्चतम् सुविधाओं के साथ
विभिन्न शासकीय योजनाओं हेतु मान्यता प्राप्त एवं विभिन्न कम्पनियों के मेडिक्लेम हेतु मान्यता प्राप्त गरीबी रेखा कार्डधारी (नीला एवं पीला) एवं उनके आश्रितों हेतु चिन्हित बीमारियों के इलाज हेतु मान्यता प्राप्त
बहुविभागीय सुपरस्पेशलिटी अस्पताल
• न्यूरो एवं स्पाइन सर्जरी • न्यूरोलॉजी • अस्थि रोग • यूरो सर्जरी • मुख एवं दंत रोग • फिजियोथेरेपी विभाग • मेडिसन • हृदय रोग • कैंसर रोग
• स्त्री एवं प्रसूती व कैंसर • जनरल सर्जरी • प्लास्टिक सर्जरी • नाक-कान-गला • मनोरोग • डाइटीशियन • नेत्र रोग • मनोविज्ञान
24x7 ट्रामा सेंटर
मदन महल स्टेशन रोड, राईट टाउन, जबलपुर फोन नं. 0761-4006494/96 आपातकालीन नं. 7400779494

परीक्षा में सफल होने वाले समस्त विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं
Admission Open
25 वर्षों से तकनीकी शिक्षा में अग्रसर शासन द्वारा पुरस्कृत / उत्कृष्ट प्रशिक्षण संस्थान
Free Online Registration
Admission Fees 10,000/-
Affiliated By DGET & NCVT Govt. of India
इलेक्ट्रिशियन फिटर
Two year Engg. Trade
छात्रवृत्ति सुविधा व प्रशिक्षण पश्चात रोजगार के सुअवसर
भारतीय ITI
भारतीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था
चौरसिया चेम्बर के सामने, शारदा चौक, मदन महल, जबलपुर (म.प्र.)
0761-8452380, 4003880, 9425162883, 9425150550

द कम्पलीट होम फर्निशिंग स्टोर
संध्या ट्रेडर्स
N.S. TEXTILES
कपूरी विला-बड़ा फुहारा, जबलपुर
Ph. 0761-4072001, Mo 9826503008, 9584513844

सूटिंग | शर्टिंग | होजरी
सभी प्रकार के यूनीफॉर्म कपड़ों के थोक विक्रेता
स्कूल, ऑफिस, हॉस्पिटल, पुलिस, पेट्रोल पंप, होटल, सिक्योरिटी यूनीफॉर्म
सभी प्रकार की यूनीफॉर्म के निर्माता व थोक विक्रेता
वर्दी वस्त्रम मो. नं. 9685203133
ड्रेस मार्ट मो. नं. 9685203133
पता-457, पुरानी सरस्वती स्कूल बिल्डिंग, कंचन विहार, विजय नगर, जबलपुर, म.प्र.

गनेश केटरर्स एण्ड कॉन्ट्रेक्टर
श्री गनेश मंडपम् कछपुरा माल गोदाम, गढ़ा
ए.सी. रूम, ए.सी. हॉल, मैदान, पार्किंग
सर्वसुविधायुक्त
कैटरिंग सुविधा आपके अपने बजट के अनुरूप
श्री कच्छ पाटीदार भवन महानद्दा, मदन महल
शादी-पार्टी एवं मांगलिक कार्यों हेतु
मो. 9827202090, 7000244328

त्रिभुवनदास मालपाणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिलौनीगंज, जबलपुर
Nursery to Class XII (English & Hindi Medium)
विद्यालय की विशेषताएं
● छात्र/छात्राओं के अध्ययन के लिए प्रोजेक्टर प्रत्येक कक्षा में, अनुभवी शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य।
● छात्र/छात्राओं के लिये भौतिक/रसायन/जीव विज्ञान/आईपी कम्प्यूटर प्रयोग शाला, अटल टिंकरिंग लैब।
● छात्र/छात्राओं के लिये कक्षाओं की सुविधा
● विद्यालय द्वारा नेशनल स्तर तक जूडो के खिलाड़ी ने स्वर्ण प्राप्त किये।
● बोर्ड कक्षाओं का शत- प्रतिशत परीक्षाफल।
● खेलकूद में छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति सुविधा 10000/-, 8000/-6000/- प्रतिवर्ष
● अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों हेतु शासन द्वारा छात्रवृत्ति सुविधा।
प्रवेश प्रारंभ 2023-24
प्रातःपाली 7.30 से 12.00 पहली से 12वीं अंग्रेजी माध्यम
दोपहर पाली 12.20 से 5.10 6वीं से 12वीं हिन्दी माध्यम
संपर्क 9009505955,0761-4016415

INDIA'S BIGGEST CONSUMER & HANDLOOM EXHIBITION
SOCIAL MEDIA PARTNER HAMARA Jabalpur
Gurleen MEGA TRADE FAIR
1 मई से 7 जून तक
TIMINGS: 4PM - 10PM
For More Info: 92155-56345 81031-02769
पोली पायर सर्कस ग्राउंड, साउथ वेन्यू मॉल के पास, गोरीघाट रोड जबलपुर (म.प्र.)

Trusted G.S.ELECTRONIC
हर रेंज में कूलर ही कूलर
गढ़ा क्षेत्र का विश्वसनीय इलेक्ट्रॉनिक शोरूम
0% ब्याज पर फायनेंस उपलब्ध हैं।
पता- संजीवनी नगर मोड़, कछपुरा ब्रिज, गढ़ा जबलपुर
9098983263, 9301372157

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर, 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*।
फोन (0761) 2643333। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. Email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)